राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शुक्रवार 13 फरवरी 2026 वर्ष-9,अंक-21 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पंजाब में बीजेपी दो पुराने साथी मिटा रहे दूरियां

गवर्नर की पदयात्रा में कदमताल करते नजर आई टॉप लीडरशिप

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब में अगले साल यानी 2027 में विधानसभा चुनाव हैं। सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी जहां सरकार दोबारा बनाने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा रही है, वहीं भाजपा अपना आधार बनाने की कोशिशों में जुटी है लेकिन भाजपा के लिए पंजाब की राह आसान नहीं है। ऐसे में पुराने सहयोगी शिरोमणि अकाली दल से बिगड़ी बात बनाने के अंदरखाते प्रयास भी हो रहे हैं। नए कृषि कानूनों के विरोध में अकाली दल और भाजपा का गठबंधन टूट गया था, जिसके बाद न तो किसी चुनाव में अकाली दल उभर पाया और न ही भाजपा।

पिछले विधान सभा चुनाव और लोक सभा चुनाव में भी दोनों के बीच गठबंधन की चर्चाएं होती रहीं

मगर बात नहीं बनी। अब एक बार फिर से दोनों दलों के एक होने की सुगबुगाहट तेज हो गई है। इस बात को मंगलवार को और बल तब मिला, जब फिरोजपुर में पंजाब के गवर्नर गुलाब चंद कटारिया ने नशामुक्ति को लेकर पदयात्रा की, जिसमें दोनों दलों की टॉप लीडरशिप एक साथ कदमताल करती नजर आई। पंजाब बीजेपी के कार्यकारी प्रधान अश्वनी शर्मा के साथ अकाली दल के प्रधान सुखबीर बादल भी इस पदयात्रा में शामिल हुए। 2020 में गठबंधन टूटने के बाद यह पहला मौका था, जब दोनों दलों की लीडरशिप ने सार्वजनिक कार्यक्रम में एक साथ हिस्सा लिया।

डेरा ब्यास के बाबा बनेंगे गठबंधन के सूत्रधार!

अकाली दल और भाजपा के बीच गठबंधन में डेरा ब्यास मुखी की भूमिका अहम मानी जा रही है। इस यात्रा में डेरा ब्यास के बाबा गुरिंदर सिंह ढिल्लो भी शामिल हुए थे। यात्रा के दौरान स्कूल के बंद कमरे में डेरा मुखी, गवर्नर और भाजपा नेताओं की मीटिंग हुई, जिसको लेकर पंजाब की राजनीति में हलचल मच गई। इसके बाद शाम को अकाली नेता बिक्रम मजीठिया भी डेरा मुखी से मिलने ब्यास पहुंचे। मजीठिया लगातार गठबंधन की पैरवी कर रहे हैं। 7 महीने से जेल में बंद अकाली नेता बिक्रम मजीठिया से सुबह उनकी मुलाकात हुई थी और दोपहर तक मजीठिया को जमानत मिल गई थी।

राजनीतिक खिचड़ी पर विरोधी दलों की नजरें

पंजाब के इस नए राजनीतिक तस्वीर पर विरोधियों की नजर टिकी हुई है। पंजाब कांग्रेस प्रधान राजा वड़िंग ने कहा कि गवर्नर एक यात्रा कर रहे हैं। उन्हें चाहिए कि देश के प्रधानमंत्री और गृहमंत्री से बात करें कि हमारे बॉर्डर को मजबूत करें। जिस प्रकार की यात्रा मुझे उनकी नजर आई। उससे ऐसा लगा कि समझौता एक्सप्रेस चल रही है। क्या पंजाब के गवर्नर अकाली दल और भाजपा का समझौता करवाने में अग्रणी रोल अदा कर रहे है। वहीं, आम आदमी पार्टी के नेता कुलदीप धालीवाल ने कहा कि गवर्नर गलत कर रहे हैं।

भारत की सुरक्षा के लिए देंगे खतरनाक हथियार

भारत के साथ ट्रेड डील के बाद बदले अमेरिका के सुर

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में राष्ट्रपति ट्रंप का शासन आने के बाद से भारत के साथ संबंधों में लगातार गिरावट आ रही थी। बात इस हद तक बिगड़ गई थी कि ट्रंप ने भारत की अर्थव्यवस्था को तो भला-बुरा कहा ही और फिर टैरिफ भी थोप दिए। अब ट्रेड डील के बाद एक बार फिर से दोनों देशों से संबंधों में गर्मजोशी देखने को मिल रही है। अमेरिका की तरफ से भारत के साथ रक्षा और आर्थिक सहयोग का दायरा बढ़ाने के संकेत दिए गए हैं। अमेरिकी विदेश विभाग में एशियाई मामलों के सहायक सचिव पॉल कपूर ने इस बात की पुष्टि की है कि दोनों देश लगातार रक्षा संबंधी खरीद पर बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा, अमेरिका और भारत लगातार अधिक हथियार प्रणालियों की खरीद पर

काम कर रहे हैं। इनसे भारत की रक्षा क्षमता और भी ज्यादा मजबूत होगी और इसके साथ ही अमेरिका में भी लोगों को रोजगार मिलेगा। कपूर ने इस बात की पुष्टि की है कि कई तरह के खतरनाक हथियार, जो कि भारत की सुरक्षा को मजबूती प्रदान करेंगे, इस वक्त दोनों देशों के बीच में चर्चा का विषय बने हुए हैं। अमेरिका के साथ कई हथियार प्रणालियों पर बात जारी है।

प्रधानमंत्री मोदी आज सेवा तीर्थ और कर्तव्य भवन का करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को दिल्ली में सेवा तीर्थ और कर्तव्य भवन-1 और 2 का उद्घाटन करने वाले है। वे शाम करीब 6 बजे सेवा तीर्थ में कार्यक्रम को संबोधित भी करने वाले है। प्रधानमंत्री कार्यालय के मुताबिक पीएम नरेंद्र मोदी शुक्रवार को दोपहर करीब 1:30 बजे सेवा तीर्थ बिल्डिंग कॉम्प्लेक्स का नामकरण करने वाले है। इसके बाद वे सेवा तीर्थ और कर्तव्य भवन-1 और 2 का औपचारिक उद्घाटन करने वाले है। यह उद्घाटन भारत के प्रशासनिक शासन संरचना में एक बड़ा बदलाव साबित होगा। यह प्रधानमंत्री के एक मॉडर्न, कुशल, सुलभ और नागरिक-केंद्रित गवर्नेंस इकोसिस्टम बनाने के वादे को दिखाता है। कई दशकों से कई जरूरी सरकारी ऑफिस और मंत्रालय सेंट्रल विस्टा एरिया में अलग-अलग जगहों पर बने हुए थे और पुराने इंफ्रास्ट्रक्चर से काम करते थे। इससे ऑपरेशनल खामियां, कोऑर्डिनेशन की चुनौतियां, बढ़ते मेंटेनेंस खर्च और काम न कर पाने लायक स्थिति बनी हुई थी। लेकिन नए बिल्डिंग कॉम्प्लेक्स, मॉडर्न और भविष्य के लिए तैयार सुविधाओं के अंदर प्रशासनिक कार्यों को एक साथ करके इन समस्याओं का समाधान करते हैं। सेवा तीर्थ में प्रधानमंत्री कार्यालय, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय और कैबिनेट सचिवालय बने हुए हैं, जो पहले अलग-अलग जगहों पर थे। कर्तव्य भवन-1 और 2 में कई मंत्रालय के आफिस है। जिसमें वित्त, रक्षा, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय, शिक्षा, संस्कृति, कानून, सूचना व प्रसारण, कृषि व किसान कल्याण, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय और जनजातीय मामलों के मंत्रालय शामिल हैं। ग्रिहा-4 मानदंडों के अनुसार डिजाइन किए गए कॉम्प्लेक्स में रिन्यूएबल एनर्जी सिस्टम, पानी बचाने के तरीके, वेस्ट मैनेजमेंट सॉल्यूशन और हाई-परफॉर्मेंस बिल्डिंग एनवेलप शामिल हैं। ये उपाय पर्यावरण पर पड़ने वाले असर को काफी कम करते हैं और परिचालन दक्षता को बढ़ाते हैं।

भारत की लगातार दूसरी जीत, नामीबिया को 93 रन से हराया; इशान-हार्दिक के अर्धशतक

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और नामीबिया के बीच आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 में ग्रुप ए का 18वां मैच दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला गया। इस मुकाबले को टीम इंडिया ने जीत लिया है। इससे पहले नामीबिया ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी का न्यौता दिया था। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए ईशान किशन और हार्दिक पांड्या की अर्धशतकीय पारी की बदौलत 7 विकेट के नुकसान पर नामीबिया को 9 विकेट के नुकसान पर 209 रन का मजबूत लक्ष्य दिया है। ईशान ने 24 गेंदों पर 6 चौकों और 5 छक्कों की मदद से 61 रन बनाए। वहीं पांड्या ने 28 गेंदों पर 52 रन बनाए जिसमें 4 चौके और 4 छक्के शामिल थे। नामीबिया की तरफ से कप्तान गेरहार्ड इरास्मस ने सबसे किफायती गेंदबाज रहे जिन्होंने 20 रन देकर 4 विकेट झटके।

नामीबिया के कप्तान गेरहार्ड इरास्मस ने टॉस जीतने के बाद कहा, 'हम बॉलिंग करने जा रहे हैं। यह बहुत अच्छी फ्लैट क्रिकेटिंग सरफेस है, सरफेस और ओस के नजरिए से यह सही काम है। यह हमारी स्किलसेट को टाइट करने के बारे में है। यह एक अच्छा विकेट लग रहा है, दूसरे हाफ में इसे चेज़ करने की कोशिश करें। इसीलिए हम क्रिकेट खेलते हैं, एंटरटेनमेंट के लिए। हमारे पास दो चेंज हैं।'

वहीं सूर्यकुमार यादव ने कहा, 'हम पहले बैटिंग करना चाह रहे थे। इससे बहुत खुश हैं। जब तक हम टॉस हार रहे हैं और गेम जीत रहे हैं, हम इससे ठीक हैं। ओस एक बड़ा फैक्टर होने वाला है, लेकिन जब आप बाहर जाकर टोटल डिफेंड करते हैं, तो इससे आपको कॉन्फिडेंस मिलता है। अभिषेक अभी भी ठीक नहीं है, वह एक-दो गेम मिस करेगा। संजू आया है, वैसा ही बैटर, एक्सप्लोसिव। सिराज की जगह बुमराह आया है।'

● सबसे बड़ी रक्षा डील को 'डीएसी' की मंजूरी

खरीदे जाएंगे 114 नए राफेल जेट, हो गया फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार ने 114 राफेल फाइटर जेट को खरीदने की मंजूरी दे दी है, इसके अलावा पहले हे वायुसेना के बेड़े में शामिल राफेल को और भी ज्यादा ताकतवर बनाने के लिए फ्रांस के साथ स्कैल्प क्रूज मिसाइलों की भी डील पर चर्चा की गई है। इसके साथ ही अमेरिका से 6 पी-8 आई समुद्री निगरानी एयरक्राफ्ट भी खरीदे जाएंगे। ऑपरेशन सिंदूर में राफेल फाइटर जेट के जौहर देखने के बाद सरकार और वायुसेना का भरोसा लगातार इस फ्रांसीसी फाइटर जेट पर बढ़ रहा है। ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार को रक्षा

अधिग्रहण परिषद (डीएसी) की एक बैठक हुई। इस बैठक में मंत्रालय ने 114 राफेल फाइटर जेट की खरीद को मंजूरी दे दी है। यह डील करीब 3.25 लाख करोड़ रुपए में होने वाली है। क्रॉनिकल्स की रिपोर्ट के मुताबिक डीएसी के साथ इस बैठक में केवल राफेल फाइटर जेट को लेकर ही चर्चा नहीं हुई, बल्कि तमाम अन्य आधुनिक हथियारों के अधिग्रहण को लेकर भी बात की गई। इसमें मुख्य रूप से फ्रांस से स्कैल्प क्रूज मिसाइल और अमेरिका से पी-8 आई समुद्री निगरानी विमान खरीदेगा।

राफेल्स के लिए चाहिए स्कैल्प क्रूज मिसाइल

भारतीय वायुसेना की तरफ से लगातार फाइटर जेट्स की कमी की बात उठाई जाती रही है। यहां तक की एयर चीफ भी इसको लेकर अपनी नाराजगी जता चुके हैं। राफेल के आने के बाद से सेना को मजबूती मिली है। ऐसे में इन विमानों के लिए फ्रांसीसी स्कैल्प मिसाइलों की जरूरत भी महसूस की जा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इसी को ध्यान में रखते हुए मंत्रालय ने फ्रांस से राफेल जेट्स के साथ-साथ बड़ी मात्रा में स्कैल्प क्रूज मिसाइल भी खरीदने की मंजूरी दी है। फ्रांस से बढ़ते रक्षा सौदों के बीच भारत ने अमेरिका के साथ भी संबंध बढ़ाए हैं।

राहुल की सदस्यता रद्द हो, चुनाव लड़ने पर बैन लगे

बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने दिया सब्सटेंटिव मोशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ प्रिविलेज मोशन नहीं, सब्सटेंटिव मोशन लाया गया है। गुरुवार को यह नोटिस बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को दिया है। दुबे का कहना है कि कांग्रेस सांसद देश को गुमराह कर रहे हैं और उनके जॉर्ज सोरोस जैसे भारत-विरोधी ताकतों से संबंध हैं। उन्होंने राहुल की संसद सदस्यता रद्द करने और चुनाव लड़ने पर आजीवन प्रतिबंध लगाने की मांग की है। झारखंड के गोड्डा से बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने गुरुवार को लोकसभा स्पीकर को अपना नोटिस देने के बाद कहा,कोई प्रिविलेज मोशन नहीं है, मैंने एक सब्सटेंटिव मोशन दिया है, किसी एमपी के खिलाफ आरोप लगाते हैं...क्योंकि उनकी तरह कानून की हत्या करने वाला आदमी नहीं हूं या उनकी तरह दादागिरी से ये संविधान चलाने की बात नहीं है। निशिकांत दुबे ने आगे बताया, मैंने एक सब्सटेंटिव मोशन दिया है। उसमें मैंने ये जिक्र किया है कि कैसे ये सोरोस फाउंडेशन के साथ, फोर्ड फाउंडेशन के साथ, यूएसऐड के

साथ मिलकर थाईलैंड जाते हैं, कंबोडिया जाते हैं, वियतनाम जाते हैं,अमेरिका जाते हैं, भारत-विरोधी ताकतों के साथ किस तरह से मिले हुए रहते हैं। इनकी सदस्यता भी रद्द हो और इनको जिंदगी भर के लिए चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित भी कर दिया जाए। दरअसल, राहुल गांधी ने बजट सत्र में मोदी सरकार के साथ संसद में संग्राम छेड़ रखा है।

असम में रचा गया इतिहास, हाईवे पर उतरा फाइटर जेट राफेल

● आकाश को चीरते हुए आया नजर, पीएम करेंगे उद्घाटन

डिब्रूगढ़ (एजेंसी)। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) ने पूर्वोत्तर के पहले आपातकालीन लैंडिंग सुविधा (ईएलएफ) पर परीक्षण अभ्यास शुरू किया। भारतीय वायु सेना के टच-एंड-गो ऑपरेशन के पूर्ण पूर्वाभ्यास से पहले पहला राफेल विमान मोरान आपातकालीन लैंडिंग सुविधा पर उतरा। सुखोई-30 और राफेल लड़ाकू विमानों ने डिब्रूगढ़ के मोरान के आसमान में गर्जना की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 14 फरवरी की यात्रा से पहले इस ऐतिहासिक हवाई प्रदर्शन को देखने के लिए स्थानीय लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। सुखोई-30, राफेल लड़ाकू विमान, स्वदेशी तेजस जेट, हरक्यूलिस ट्रांसपोर्टर और एंटोनोव एएन-32 विमानों सहित उन्नत लड़ाकू विमानों ने मोरान में विशेष रूप से निर्मित राजमार्ग हवाई पट्टी पर लैंडिंग और टेक-ऑफ का प्रदर्शन किया।

समाज के एक वर्ग को ऐसा बदनाम मत कीजिए

'घूसखोर पंडित' के मेकर्स पर बरसा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। फिल्म घूसखोर पंडित के टाइटल को लेकर जारी विवाद के बीच सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को फिल्म के मेकर्स को फटकार लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने फिल्ममेकर नीरज पांडे को फटकार लगाते हुए कहा है कि इस तरह के टाइटल का इस्तेमाल करके समाज के एक वर्ग को बदनाम नहीं किया जा सकता है। उच्चतम न्यायालय ने यह भी कहा है कि इस तरह का शीर्षक नैतिकता और लोक व्यवस्था के खिलाफ है।

इससे पहले गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में मनोज बाजपेयी अभिनीत इस फिल्म की ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज पर रोक लगाने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई हुई। याचिका में आरोप लगाया गया है कि फिल्म जाति और

धर्म आधारित स्टीरियोटाइप को बढ़ावा देती है और इससे लोक व्यवस्था, सांप्रदायिक सौहार्द और संवैधानिक मूल्यों को खतरा है। शीर्ष अदालत में यह जनहित याचिका ब्राह्मण समाज ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय संगठन सचिव अतुल मिश्रा ने दायर की है। उन्होंने नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली इस फिल्म पर रोक लगाने की मांग की है। याचिका में कहा गया है कि फिल्म का शीर्षक और कहानी पहली नजर में आपत्तिजनक और अपमानजनक है, जो ब्राह्मण समाज को बदनाम करने वाली है। याचिका में खास तौर पर 'पंडित' शब्द के इस्तेमाल पर आपत्ति जताई गई है, जिसे जाति और धर्म से जुड़ी पहचान बताया गया है और उसके साथ घूसखोर जैसे शब्द को जोड़ने को रिश्वत और नैतिक भ्रष्टाचार से जोड़ने की बात भी कही गई है। सुप्रीम कोर्ट में याचिका पर सुनवाई के दौरान जस्टिस बी वी नागरत्ना और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने सूचना और प्रसारण मंत्रालय, केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड और नीरज पांडे को नोटिस जारी किया है। इस दौरान पीठ ने मेकर्स को फटकार लगाते हुए कहा, आप ऐसे शीर्षक का इस्तेमाल कर समाज के एक वर्ग को क्यों अपमानित कर रहे हैं।

चीन की दुखती रग के पास गरजे भारतीय सुखोई विमान

ग्रिपेन लड़ाकू विमानों ने भी दिखाया जलवा, मलक्का स्ट्रेट से डरता है ड्रैगन

नई दिल्ली/बैंकॉक (एजेंसी)। मलक्का स्ट्रेट, जिससे चीन सबसे ज्यादा डरता है, वहां भारत ने थाईलैंड की वायुसेना के साथ ज्वाइंट ड्रील की है। भारतीय वायुसेना के एसयू-30 लड़ाकू विमानों ने थाईलैंड एयरफोर्स के ग्रिपेन लड़ाकू विमानों के साथ ड्रील की है।

सबसे खास बात यहां पर ग्रिपेन लड़ाकू विमान है, जिसका ऑफर स्वीडन की कंपनी साब ने भारत को दिया है। स्वीडिश कंपनी ने भारतीय वायुसेना को अपने मल्टीरोल फाइटर एयरक्राफ्ट प्रोग्राम के लिए अपना ग्रिपेन लड़ाकू विमान का प्रस्ताव दिया है। क्या भारत, स्वीडिश फाइटर जेट को परखने की कोशिश कर रहा है। भारतीय वायुसेना की तरफ से 10 फरवरी को कहा गया है कि भारतीय वायुसेना, रॉयल थाई एयर फोर्स के साथ एक ज्वाइंट इन-सीटू एयर एक्सरसाइज कर रही है। इस एक्सरसाइज से दोनों एयर फोर्स के बीच ऑपरेशनल कोऑर्डिनेशन और इंटरऑपरेबिलिटी बढ़ेगी। एसयू-30 रिफ्यूलिंग एयरक्राफ्ट, ग्रिपेन एयरक्राफ्ट के साथ मिलकर इस एक्सरसाइज में हिस्सा ले रहे हैं, जिससे इंडो-थाई डिफेंस कोऑपरेशन और रीजनल सिनर्जी मजबूत होगी। मलक्का स्ट्रेट से ही दुनिया भर के समुद्री व्यापार का लगभग एक-चौथाई और दुनिया के तेल और नेचुरल गैस शिपमेंट का एक बड़ा हिस्सा गुजरता है। इसके अलावा, मलक्का स्ट्रेट को ही हिंद महासागर का दरवाजा भी कहा जाता है। खासकर चीन के लिए ये काफी ज्यादा महत्वपूर्ण है। चीन के ऊर्जा की सप्लाई इसी रास्ते से होती है और ये अंडमान निकोबार के काफी करीब है। भारत, मलक्का स्ट्रेट को चॉक कर चीन के सप्लाई लाइन को काट सकता है। इसीलिए चीन इससे काफी डरता है। मलक्का स्ट्रेट, पानी का एक पतला हिस्सा है, जो सिर्फ 65-250 किलोमीटर चौड़ा है, जिससे पड़ोसी देशों के लिए किसी संभावित लड़ाई के दौरान इसे बंद करना आसान हो जाता है। इसे चीन के लिए एक बहुत बड़ी चुनौती माना जाता है। क्योंकि यह इंडोनेशिया, सिंगापुर और भारत जैसे अमेरिका के खास सहयोगियों से घिरा है।

भारत के लिए काफी अहम है मलक्का स्ट्रेट

मलक्का स्ट्रेट वाले क्षेत्र में भारत का प्रभुत्व है। जबकि इस ड्रिल में ग्रिपेन फाइटर्स को शामिल किया गया था। थाईलैंड एयरफोर्स के पास ग्रिने फाइटर जेट हैं, जिसने पिछले साल कंबोडिया के खिलाफ युद्ध में हिस्सा लिया था। इसी जेट के एडवांस वैरिएट को स्वीडन ने भारत को ऑफर किया है।

इसीलिए इस ड्रिल का महत्व कुछ अलग है। साब ने ग्रिपेन-यूएई के बारे में बताया है कि इसे किसी भी दुश्मन को हराने के लिए डिजाइन किया गया। आगे की सोच वाली एयर फोर्स के लिए डिजाइन किया गया, ग्रिपेन में कटिंग-एज टेक्नोलॉजी और लेटेस्ट सिस्टम, सेंसर, हथियार और पॉड्स हैं ताकि लड़ाई में फायदा हो और बहुत मुश्किल माहौल में हवाई वर्चस्व हासिल हो।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारतीय स्वतंत्रता सेनानी सरोजिनी नायडू जयंती की जयंती के कारण राष्ट्रीय महिला दिवस

(लेखक --संजय गोस्वामी)

(राष्ट्रीय महिला दिवस 13 फरवरी 26 पर विशेष)

1920 के दशक के दौरान नायडू राजनीति में तेजी से सक्रिय हो गईं और उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और गांधी के असहयोग आंदोलन का समर्थन किया। 1924 में, उन्होंने पूर्वी अफ्रीका और दक्षिण अफ्रीका का दौरा किया ताकि वहां रहने वाले भारतीयों का समर्थन किया जा सके, और अगले वर्ष, वह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की अध्यक्ष बनने वाली पहली भारतीय महिला बनीं - उनसे आठ साल पहले एनी बेसेंट इस पद पर थीं। नायडू ने 1928-29 में राष्ट्रवादी आंदोलन पर व्याख्यान देने के लिए उत्तरी अमेरिका की यात्रा भी की।

सरोजिनी नायडू, मशहूर कवयित्री और स्वतंत्रता सेनानी जिन्हें भारत कोकिला के नाम से जाना जाता है, सरोजिनी नायडू का जन्म 13 फरवरी, 1879 को हैदराबाद, भारत में बंगाली ब्राह्मण माता-पिता अघोरनाथ चट्टोपाध्याय और बरदा सुंदरी देवी के घर हुआ था। उनकी जयंती हर साल राष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में मनाई जाती है। सरोजिनी नायडू (13 फरवरी, 1879 - 2 मार्च, 1949) भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की एक प्रमुख कार्यकर्ता, प्रभावशाली वक्ता और कवयित्री थीं। उनका जन्म हैदराबाद में एक समृद्ध परिवार में हुआ था। उनका पहला विवाह सरोजिनी अघोर्नाथ चट्टोपाध्याय (चटर्जी) से हुआ था। अघोर्नाथ का परिवार पूर्वी बंगाल के ब्रह्मनगर गांव से था। वे एक शैक्षणिक संस्थान स्थापित करने के उद्देश्य से 1878 में हैदराबाद आए और बाद में निज़ाम कॉलेज के प्रधानाचार्य बने। एक शिक्षाविद और उत्साही कार्यकर्ता के रूप में ख्यातिप्राप्त अघोर्नाथ ने सरोजिनी को बहुत प्रभावित किया। उनकी माता वरदासुंदरी देवी मूल रूप से बंगाल की थीं और एक बंगाली कवयित्री थीं। बचपन से ही सरोजिनी अपने सुसंस्कृत माता-पिता से प्रभावित थीं, जिसने उनकी काव्य प्रतिभा को पोषित किया और उन्हें कम उम्र से ही कविता लिखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा निजी तौर पर घर पर ही प्राप्त की। बारह वर्ष की आयु में उन्होंने मद्रास मैट्रिकुलेशन परीक्षा (1892) में प्रथम स्थान प्राप्त किया। नायडू ने 12 साल की उम्र में लिखना शुरू किया था। फ़ारसी में लिखे उनके नाटक, माहेर मुनीर ने हैदराबाद के निज़ाम को बहुत प्रभावित किया था। उन्होंने 12 वर्ष की आयु में मद्रास विश्वविद्यालय (अब चेन्नई) में प्रवेश लिया और किंग्स कॉलेज लंदन में अध्ययन किया, बाद में उन्होंने गर्टन कॉलेज, कैम्ब्रिज (1895-98) में भी पढ़ाई की। इस दौरान उन्होंने इंग्लैंड में मताधिकार आंदोलन में भाग लिया। वे 1898 में भारत लौटीं और इंग्लैंड में मिले दक्षिण भारतीय चिकित्सक गोविंदराजू नायडू से विवाह किया। 1898 में भारत लौटने के बाद, उन्होंने ब्रह्म समाज की परंपराओं के अनुसार निज़ाम के दरबार में सेवारत विधवा चिकित्सक डॉ. गोविंदराजुलु नायडू से विवाह किया। यह विवाह अंतर-प्रांतीय और अंतर-जातीय होने के कारण उल्लेखनीय था, जिसने बंगाल और मद्रास को जोड़ा। उनकी बेटी पद्मजा नायडू ने अपनी मां के पदचिन्हों पर चलते हुए भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन और राजनीति में कदम रखा। सरोजिनी नायडू का मानना था कि राष्ट्रवादी आंदोलन महिला मुक्ति आंदोलन से जुड़ा हुआ है। वे महिला भारतीय संघ से जुड़ी थीं, जिसका उद्देश्य महिलाओं के मतदान अधिकारों को मजबूत और सुरक्षित करना था। 1917 में, नायडू ने अंग्रेज नारीवादी एनी बेसेंट और भारतीय मताधिकार समर्थक हेराबाई टाटा के साथ मिलकर भारत के राज्य सचिव (1917-1922) एडविन मोंटेगू और भारत के वायसराय (1916-1921) लॉर्ड चेम्सफोर्ड के साथ महिलाओं के मतदान अधिकारों पर चर्चा करने के लिए एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। 1919 के भारत सरकार अधिनियम ने महिलाओं को भारतीय प्रांतीय परिषदों में मतदान का अधिकार प्रदान किया। हालांकि, यह अधिकार राष्ट्रव्यापी स्तर पर सीमित था। 1947 में भारत की स्वतंत्रता के बाद, सार्वभौमिक मताधिकार स्थापित हुआ। महात्मा गांधी और सरोजिनी नायडू ने 1930 के नमक मार्च में एक साथ भाग लिया। यह मार्च भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की एक महत्वपूर्ण घटना थी, जिसके परिणामस्वरूप 60,000 से अधिक भारतीयों को गिरफ्तार किया गया। 1920 के दशक के दौरान नायडू राजनीति में तेजी से सक्रिय हो गईं और उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और गांधी के असहयोग आंदोलन का समर्थन किया। 1924 में, उन्होंने पूर्वी अफ्रीका और दक्षिण अफ्रीका का दौरा किया ताकि वहां रहने वाले भारतीयों का समर्थन किया जा सके, और अगले वर्ष, वह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की अध्यक्ष बनने वाली पहली भारतीय महिला बनीं - उनसे आठ साल पहले एनी बेसेंट इस पद पर थीं। नायडू ने 1928-29 में राष्ट्रवादी आंदोलन पर व्याख्यान देने के लिए उत्तरी अमेरिका की यात्रा भी की। भारत लौटने पर, उनकी ब्रिटिश विरोधी गतिविधियों - विशेष रूप से नमक सत्याग्रह, सविनय अवज्ञा आंदोलन और भारत छोड़ो आंदोलन - के कारण उन्हें 1930, 1932 और 1942-43 में कई बार जेल जाना पड़ा।लंदन और कैम्ब्रिज में कुछ समय अध्ययन करने के बाद, स्वास्थ्य समस्याओं के कारण उन्हें अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़नी पड़ी और इटली की यात्रा करने के बाद वे भारत लौट आईं। इसी दौरान उनकी मुलाकात अंग्रेजी साहित्य समीक्षक एडमंड गोसे से हुई, जिन्होंने उन्हें उनकी कुछ कविताएँ दिखाईं और उनके भविष्य के लेखन के लिए बहुमूल्य मार्गदर्शन दिया। परिणामस्वरूप, उस समय इसे काफी प्रसिद्धि मिली और इसने सरोजिनी के सामाजिक कार्यों की शुरुआत को चिह्नित किया। उनके चार बच्चे थे- जयसूर्या, पद्मजा, रणधीर और लैलामणि। रणधीर बाद में हैदराबाद के राजनीतिक आंदोलन में प्रमुख बन गए, जबकि पद्मजा बंगाल की राज्यपाल बनीं पद्मजा नायडू (17 नवंबर 1900 - 2 मई 1975) एक भारतीय स्वतंत्रता सेनानी और राजनीतिज्ञ थीं, जो 3 नवंबर 1956 से 1 जून 1967 तक पश्चिम बंगाल की चौथी राज्यपाल रहीं। सरोजिनी नायडू गोखले को अपना गुरु मानती थीं और गांधीजी के नेतृत्व को पूरी निष्ठा से स्वीकार करती थीं। हैदराबाद में प्लेग के प्रकोप के दौरान, उन्होंने हर संभव तरीके से लोगों की सहायता करने के लिए अथक प्रयास किए। उनके प्रयासों के लिए उन्हें कैसर-ए-हिंद स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया, लेकिन जलियांवाला बाग हत्याकांड के बाद उन्होंने विरोध में इसे ब्रिटिश सरकार को लौटा दिया। उन्होंने रॉलेट एक्ट, मोंटेगू-चेम्सफोर्ड सुधार, खिलाफत आंदोलन और साबरमती संधि सहित विभिन्न आंदोलनों के माध्यम से कांग्रेस के सिद्धांतों का प्रचार-प्रसार किया और गांधीजी के असहयोग आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया। वे जी.के. गोखले, रवींद्रनाथ टैगोर, लोकमान्य तिलक, एनी बेसंत, सी.पी. रामास्वामी अय्यर, जवाहरलाल नेहरू, महात्मा गांधी और अन्य प्रख्यात हस्तियों के विचारों और आचरण से प्रभावित होकर उनसे अक्सर मिलती थीं। उन्होंने होम रूल लीग को बढ़ावा देने के लिए एनी बेसंत और सी.पी. रामास्वामी अय्यर के साथ भारत का दौरा किया। अपने भाषणों में उन्होंने युवाओं और श्रमिकों के कल्याण, गरिमा, महिलाओं की स्वतंत्रता और राष्ट्रवाद की वकालत की। गोसे ने उनकी कविताओं के पहले संग्रह, *द गोल्डन थ्रेशहोल्ड* (1905) की प्रस्तावना लिखी, जिसे उस समय के साहित्यिक जगत में काफी लोकप्रियता मिली और समाचार पत्रों से सकारात्मक समीक्षाएँ प्राप्त हुईं। इसके अलावा, रवींद्रनाथ टैगोर ने सरोजिनी के कार्यों की प्रशंसा की।सरोजिनी हिंदू-मुस्लिम एकता और महिलाओं के पुरुषों के समान काम करने के अधिकार को अपने जीवन का लक्ष्य मानती थीं। उन्होंने गृह शासन संघ के अवसर पर देश भर में अनेक व्याख्यान दिए और गोखले जैसे प्रमुख व्यक्तित्व भी उनके प्रभावशाली भाषण से प्रभावित हुए। तिलक की मृत्यु के बाद, उन्होंने गांधीवादी सिद्धांतों को पूर्णतः अपना लिया और अपने पहनावे और जीवनशैली में आमूल-चूल परिवर्तन किए। वह हैदराबाद से मुंबई आ गईं। वे बॉम्बे नगर निगम की सदस्य चुनी गईं और बाद में 1921 में प्रांतीय कांग्रेस की अध्यक्ष बनीं। 1923 में, वे दक्षिण अफ्रीका गईं और वहां के भारतीयों से बातचीत की और उनकी स्थिति का अवलोकन किया। 1925 में, वे कानपुर में अखिल भारतीय कांग्रेस अधिवेशन की अध्यक्ष चुनी गईं। उन्होंने कांग्रेस कार्य समिति में शामिल होकर पार्टी की नीतियों में सक्रिय योगदान दिया। 1907 में, उन्होंने कलकत्ता में आयोजित बंगाल विभाजन के विरोध में हुई बैठक में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अगले वर्ष, विधवा विवाह सम्मेलन में, उन्होंने महिला आंदोलन की नींव रखी, जो महिलाओं के अधिकारों के लिए उनके समर्थन की वास्तविक शुरुआत थी। बाद में, वे 1929 में मोम्बासा में पूर्वी अफ्रीकी भारतीय कांग्रेस की अध्यक्ष बनीं। इस दौरान, वे जनरल स्मट्स के साथ महत्वपूर्ण विवादों में शामिल रहीं। द गोल्डन थ्रेशहोल्ड में अपने कार्य के बाद, सरोजिनी ने दो कविता संग्रह प्रकाशित किए- द बर्ड ऑफ टाइम (1912) और द ब्रोकन विंग (1917)। एक हिंदी भाषी महिला द्वारा सुंदर अंग्रेजी में लिखी गई ये कविताएँ अपनी मधुरता, राष्ट्रवादी विषयों, प्रेम की अभिव्यक्तियों और क्रांतिकारी विचारों के लिए लोकप्रिय हुईं। उन्हें पश्चिमी और पूर्वी दोनों देशों में पहचान मिली और एक कवयित्री के रूप में उनकी प्रतिष्ठा बढ़ती गई।

उन्हें व्यापक रूप से भारतीय नाइटिंगेल के रूप में जाना जाता था। हालांकि, उनकी काव्य शैली एलियट की आधुनिक काव्य शैली से मेल नहीं खाती थी, और अंततः उन्होंने कविता लिखना छोड़ दिया। इसके कुछ समय बाद ही उनका ध्यान राष्ट्रीय सेवा और सामाजिक सक्रियता की ओर केंद्रित हो गया। इस परिवर्तन का एक कारण यह था कि उन्होंने 1903 और 1917 के बीच एम.ए. की उपाधि प्राप्त की। 1928 में, उन्होंने अमेरिकियों के बीच भारतीय स्वतंत्रता के लिए सहानुभूति जुटाने के लिए सद्भावना यात्रा की। इसके बाद, उन्होंने गांधीजी के साथ लंदन में गोलमेज सम्मेलन में भाग लिया।

संपादकीय

फर्जी की मर्जी पर अंकुश

डीपफेक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता से झूठ को सच बनाने की बढ़ती प्रवृत्ति पर केंद्र सरकार ने शिकंजा कसने की तैयारी कर ली है। इस तरह के भ्रमित करने वाली सामग्री प्रसारित करने वाले सोशल मीडिया को नियंत्रित करने वाले नियमों को सख्त बनाया जा रहा है। जिससे डिजिटल कंपनियों और प्लेटफॉर्मों की जिम्मेदारी बढ़ जाती है, खासकर डीपफेक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई से निर्मित सामग्री के संबंध में। दरअसल, ये नवीनतम बदलाव उन शिकायतों के बाद किए गए हैं जिसमें एआई बॉट द्वारा पथभ्रष्ट करने वाली उत्तेजक छवियों के निर्माण करने के आरोप लगे हैं। जिसके खिलाफ दुनिया के कई देशों ने भी सख्त कदम उठाए हैं। उल्लेखनीय है कि आईटी के नये नियम बीस फरवरी से लागू होंगे। इसके बाद एआई के जरिये निर्मित सामग्री पर इस बात का लेबल लगाना जरूरी होगा कि उसे कृत्रिम रूप से गढ़ा गया है। साथ ही प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों को उपयोगकर्ताओं को भरोसा दिलाना होगा कि साझा की जा रही सामग्री एआई द्वारा निर्मित है या नहीं। ऐसे वक्त में जब लोगों की संवेदनाओं और भरोसे से खिलवाड़ का खेल द्रुत गति से जारी है, केंद्र सरकार की ओर से उठाया गया यह जरूरी कदम कहा जा सकता है। सरकार ने नये प्रावधानों में निर्देश दिया है कि किसी भी अवैध या भ्रामक एआई जनित सामग्री को तीन घंटे के भीतर हटाना होगा या फिर ब्लॉक करना होगा। उल्लेखनीय है कि इससे पहले यह हटाने की समय सीमा 36 घंटे थी। हालांकि, इस तरह सख्त नियमों के जरिये सोशल मीडिया का नियमन खासा जटिल कार्य है। इस आदेश की जटिल कार्यप्रणाली के अतिरिक्त,यह सवाल भी विवाद का विषय बना हुआ कि ऑनलाइन आपत्तिजनक सामग्री किसे माना जाए। साथ ही यह भी कि क्या स्वीकार्य है? यदि हां तो किस आधार पर? वहीं दूसरी ओर इसके बहाने सरकारों द्वारा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाने की चिंताएं भी बरकरार हैं। सही मायनों में, लोकतंत्र की अपरिहार्य शर्त स्वतंत्र अभिव्यक्ति से जुड़ी इन चिंताओं का निराकरण भी जरूरी है। निस्संदेह दुनिया में जैसे-जैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता डिजिटल क्षेत्र में अपना दायरा बढ़ाती जा रही है, वैसे-वैसे ही प्रभावी नियामक नियंत्रण स्थापित करना एक कठिन चुनौती बनता जा रहा है। वहीं दूसरी ओर एआई उद्योग के लिये भी, अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बाजार में अपनी तकनीकों के विस्तार के साथ-साथ नैतिक ढांचों को बनाये रखना एक चुनौतीपूर्ण कार्य बनता जा रहा है। उल्लेखनीय है कि एक प्रमुख कंपनी के सुरक्षा शोधकर्ता का विवादास्पद परियोजनाओं की अनियंत्रित गति से असहमति जताते हुए त्यागपत्र देना तकनीकी प्रगति की छलांग लगाती गति के दुष्परिणामों को ही उजागर करता है। निर्विवाद रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता जनित स्पर्धा के दौर में नैतिक दुविधा स्पष्ट है। साथ ही इसका कोई कारगर समाधान शीघ्र नजर भी नहीं आता। इस संकट से विकासशील देश ही नहीं, विकसित देश भी गहरे तक जूझ रहे हैं। आस्ट्रेलिया व फ्रांस आदि देशों में बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखने की न्यूनतम उम्र निर्धारित की गई है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका में इंस्टाग्राम और यूट्यूब के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों की जांच के लिये एक ऐतिहासिक मुकदमा शुरू हो गया है। सोशल मीडिया कारोबार में दोनों हाथों से मुनाफा बटोरने वाली कंपनियों के देश अमेरिका में दुनिया की सबसे बड़ी सोशल मीडिया कंपनियों पर लोगों को लत लगाने वाली मशीनें बनाने के आरोप लग रहे हैं। इस बाबत एक अंतर्राष्ट्रीय प्रमुख विशेषज्ञ की टिप्पणी है- हम देख रहे हैं कि अधिकाधिक युवा न केवल मनोवैज्ञानिक बल्कि शारीरिक पीड़ा का भी अनुभव करते हैं, जब उनसे फोन आदि उपकरण ले लिए जाते हैं।

सनातन पर्यावरण चेतना की अविरल धारा बनी-खेजड़ी

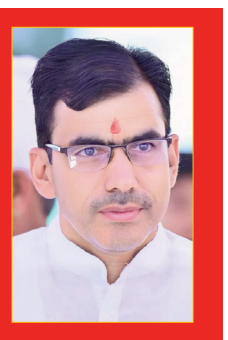

लेखाराम बिश्नोई
लेखक विचारक

बीकानेर धरना केवल एक समकालीन आंदोलन नहीं था, बल्कि वह सनातन भारतीय पर्यावरण चेतना की जीवंत अभिव्यक्ति था। यह चेतना जड़ और चेतन—दोनों के कल्याण की उस व्यापक दृष्टि पर आधारित है, जिसमें समस्त सृष्टि को एक परिवार माना गया है। भारतीय दर्शन की यह मूल भावना 'वसुधैव कुटुम्बकम्' के रूप में सदियों से मानव को प्रकृति के साथ सहअस्तित्व का संदेश देती आई है। यह सत्य है कि प्राणवायु सबको चाहिए—मनुष्य, पशु, पक्षी, वृक्ष और समस्त जीव-जगत को—परंतु उस प्राणवायु की रक्षा के लिए अपने सुख, सुविधा और कभी-कभी प्राणों तक का उत्सर्ग वही कर सकता है, जिसकी चेतना लोकमंगल और परमार्थ से अनुप्राणित हो।

बीकानेर धरने ने यह सिद्ध कर दिया कि बिश्नोई समाज का पर्यावरण आंदोलन केवल इतिहास की स्मृति नहीं, बल्कि एक सतत और जीवंत परंपरा है। खेजड़ली में जो चेतना 1730 ईस्वी में मां अमृता देवी बिश्नोई और 363 बलिदानियों के माध्यम से प्रकट हुई थी, वही चेतना बीकानेर में संयम, धैर्य और अहिंसक सत्याग्रह के रूप में सामने आई। खेजड़ली में जहाँ वृक्षों की रक्षा के लिए प्राणों का उत्सर्ग हुआ, वहीं बीकानेर धरने में उसी मूल भावना को आत्मसंयम, नैतिक साहस और दृढ़ संकल्प के साथ अभिव्यक्त किया गया।

यह धरना जड़-चेतन के कल्याण की उस समग्र सोच से प्रेरित था, जिसमें वृक्षों की रक्षा, वन्यजीवों की सुरक्षा और मानव जीवन के संतुलन को अलग-अलग नहीं, बल्कि एक-दूसरे से गहराई से जुड़ा हुआ माना जाता है। बिश्नोई दर्शन यह मानता है कि यदि जड़ प्रकृति—भूमि, जल, वायु और वृक्ष—सुरक्षित रहेंगे, तभी चेतन प्राणी सुरक्षित रह पाएंगे। यही कारण है कि यह आंदोलन किसी उग्र विरोध का नहीं, बल्कि नैतिक आग्रह और सत्य की शक्ति का प्रतीक बना।

भारतीय परंपरा में खेजड़ी अर्थात शमी वृक्ष का विशेष महत्व है। महाभारत में अज्ञातवास के समय पांडवों द्वारा अपने शस्त्र इसी शमी वृक्ष पर सुरक्षित रखे जाने की कथा इसे धर्म, संरक्षण और विजय का प्रतीक बनाती है। खेजड़ली का बलिदान और बीकानेर का धरना—दोनों ही इस प्रतीक को आधुनिक संदर्भ में जीवंत करते हैं, जहाँ शमी वृक्ष केवल आस्था का नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के संकल्प का प्रतीक बन जाता है।

आज जब विश्व पर्यावरण संकट, जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता के तीव्र विनाश से जूझ रहा है, तब खेजड़ली का बलिदान और बीकानेर धरना हमें यह सिखाते हैं कि समाधान केवल कानूनों, नीतियों या तकनीक से नहीं निकलेगा, बल्कि चेतना के जागरण से ही संभव है। जब तक मानव जड़ और चेतन के पारस्परिक संबंध को नहीं समझेगा, तब तक कोई भी विकास टिकाऊ नहीं हो सकता।

खेजड़ली के बलिदानी और बीकानेर के सत्याग्रही समस्त मानव समाज को यह संदेश देते हैं कि प्रकृति का संरक्षण किसी एक समाज या पंथ का नहीं, बल्कि संपूर्ण सृष्टि के कल्याण का दायित्व है। यही जड़-चेतन के संतुलित सहअस्तित्व का सनातन सिद्धांत है, जिसे बिश्नोई परंपरा ने इतिहास से वर्तमान तक अपने आचरण द्वारा प्रमाणित किया है।

लेखाराम बिश्नोई
लेखक व विचारक

भगवान की नज़र में हर इनसान बराबर है

इतिहास के पन्नों को उलट करके देखेंगे तो पाएंगे कि आज जितना ऊंच-नीच एवं अमीर-गरीब का भेद-भाव है वह वैदिक काल के आरंभ में नहीं था। उस समय सामाजिक व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए कर्म के अनुसार वर्ग विभेद किया गया। लेकिन बाद में व्यवस्थाओं में जटिलता आती गयी और भेद-भाव बढ़ता गया। लेकिन यह भेद-भाव ऊपरी स्तर पर है। मूल में कहीं भेद-भाव नहीं है। मूल ईश्वर है और ऊपरी दुनिया वह है जहां हम मनुष्य और जीव-जन्तु विचरण करते हैं। भगवान की नज़र में सभी एक समान हैं। ईश्वर की दृष्टि में न तो जात-पात है और न लिंग भेद। श्री रामानंदाचार्य ने कहा है जात-पात पूछे न कोई। हरि को भजे सो हरि का होई।। भगवान कभी किसी के साथ किसी आधार पर भेद-भाव नहीं करते हैं। केवट ने भगवान से प्रेम किया तो भगवान बिना किसी भेद-भाव के केवट की नैया में बैठे और केवट की जीवन नैया को पार लगा दिया। श्री राम के चरण रज को पीकर केवट परम पद पाने में सफल हुआ। भगवान की दृष्टि में सभी बराबर हैं इसका उदाहरण भक्त सबरी के जीवन की एक घटना है। सबरी भील जाति की एक महिला थी। राम की भक्ति इनके मन में ऐसी बसी की राम में ही खुद को अर्पित कर दिया। एक बार सबरी मार्ग में झाड़ू लगा रही थी उस समय साधुओं का एक समूह मार्ग से गुजरा। अनजाने में सबरी का स्पर्श साधुओं से हो गया।

साधु इससे नाराज हुए कि एक भीलनी उससे स्पर्श कर गयी। भगवान को यह बात अच्छी नहीं लगी। साधुओं को जात-पात के भेद-भाव की नासमझी को दूर करने के लिए भगवान ने एक लीला की। साधुगण जिस सरोवर में स्नान करते थे। उस सरोवर में जैसे ही साधुओं ने प्रवेश किया सरोवर का जल दूषित हो गया। सरोवर के जल से बदबू आने लगी। साधुओं ने सरोवर के जल को शुद्ध करने के लिए कई हवन और यज्ञ किया लेकिन कोई परिणाम नहीं निकला। एक दिन सीता की खोज करते हुए भगवान राम जब सबरी की कुटिया में पधारे तब साधुओं को अपने ऊपर काफी ग्लानि हुई। उन्हें समझ में आ गया कि सबरी की भक्ति उनकी भक्ति भावना से बढ़कर है। सभी साधु सबरी की कुटिया में पधारे। भगवान राम के दर्शनों के पश्चात साधुओं ने राम से प्रार्थना की, कि सरोबर के जल को निर्मल करने का उपाय बताएं। भगवान राम ने साधुओं से कहा कि आप सबरी के पैरों को धोएं और उस जल को ले जाकर सरोबर में मिलाएं। इस उपाय को करने से सरोबर का जल निर्मल हो जाएगा। साधुओं ने ऐसा ही किया और सरोवर का जल सुगंधित और स्वच्छ हो गया।

विचार मंथन

जातिगत भेदभाव पर बाजिव है विपक्ष की चिंता?

(लेखक- डॉ हिदायत अहमद खान)

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत उसका संविधान है, जिसने समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के आदर्शों को राष्ट्र जीवन का आधार बनाया। बावजूद इसके समय-समय पर जाति-संप्रदाय और धर्म के नाम पर भेदभाव किए जाने और हिंसा एवं मावलिंचिंग जैसी कष्टप्रद घटनाएं जब सामने आती हैं तो बेहद अफसोस होता है। ऐसी घटनाएं यह संकेत देती हैं कि संवैधानिक मूल्यों और सामाजिक व्यवहार के बीच अब भी एक गहरी खाई मौजूद है। इस खाई को पाटने की बजाय और चौड़ी करने का कुत्सित कार्य गंदी राजनीति करने वाले तथाकथित नेता करते देखे जाते हैं। हर चुनाव से पहले इस पर चर्चा होती है और बदस्तूर घटनाएं भी होती हैं, इसलिए सभी कटघरे में खड़े होते हैं, फिर चाहे वह सत्ता पक्ष हो या विपक्ष। बहरहाल राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा उठाया गया जातिगत भेदभाव का मुद्दा इसी खाई की ओर ध्यान आकर्षित करता है। इस संदर्भ में विपक्ष की चिंता न केवल उचित है, बल्कि लोकतांत्रिक विमर्श का आवश्यक हिस्सा भी है। ओडिशा के एक आंगनवाड़ी केंद्र में दलित महिला द्वारा भोजन बनाए जाने के कारण बच्चों के बहिष्कार की घटना केवल एक स्थानीय विवाद नहीं मानी जा सकती। यह उस मानसिकता का प्रतीक है, जो आधुनिक भारत के विकास और प्रगति के दावों को चुनौती देती है। आंगनवाड़ी केंद्र देश के सबसे संवेदनशील सामाजिक संस्थानों में से हैं, जहां बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य और प्रारंभिक शिक्षा की नींव रखी जाती है। यदि वहीं जातिगत पूर्वाग्रह के आधार पर बहिष्कार जैसी स्थिति उत्पन्न होती है, तो यह न केवल एक कर्मचारी का अपमान है, बल्कि उन बच्चों के अधिकारों का भी हनन है, जिन्हें समान अवसर और पोषण मिलना चाहिए। यहां यह नहीं भूलना चाहिए कि संविधान का अनुच्छेद 14 सभी को कानून के समक्ष समानता का अधिकार देता है। अनुच्छेद 15 धर्म, जाति, लिंग आदि के आधार पर भेदभाव को निषिद्ध करता है, जबकि अनुच्छेद 17 अस्पृश्यता के उन्मूलन की स्पष्ट घोषणा करता है। इसके अतिरिक्त अनुच्छेद 21(क) शिक्षा के अधिकार को सुनिश्चित करता है और अनुच्छेद 47 राज्य को पोषण स्तर और जनस्वास्थ्य सुधारने की जिम्मेदारी सौंपता है। यदि जातिगत सोच के कारण पोषण कार्यक्रमों का बहिष्कार होता है, तो यह इन संवैधानिक प्रावधानों की भावना के विपरीत है। अतः ऐसे तमाम मामलों और घटित हुईं घटनाओं की जितनी निंदा की जाए कम होगी। राज्यसभा में कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष खड़गे ने इस संबंध में जिन अन्य घटनाओं का उल्लेख किया उनमें मध्य प्रदेश में आदिवासी मजदूर के साथ अमानवीय व्यवहार, गुजरात में दलित कर्मचारी की आत्महत्या और चंडीगढ़ में संस्थागत भेदभाव जैसी घटनाएं भी शामिल हैं। ये मामले दर्शाते हैं कि समस्या केवल सामाजिक स्तर तक सीमित नहीं है। यदि संस्थागत ढांचे में भी पूर्वाग्रह मौजूद हैं, तो यह स्थिति और अधिक गंभीर हो जाती है। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम जैसे कठोर कानूनों का अस्तित्व तभी सार्थक है, जब उनका प्रभावी और निष्पक्ष क्रियान्वयन हो। यह भी सच है कि जातिगत भेदभाव का मुद्दा अक्सर राजनीतिक बहस का हिस्सा बन जाता है। सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप होते हैं, जिससे मूल समस्या कभी-कभी राजनीतिक शोर में दब जाती है। किंतु इसका अर्थ यह नहीं कि मुद्दे की गंभीरता कम हो जाती है। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका केवल आलोचना करना नहीं, बल्कि सरकार और समाज को आईना दिखाना भी है। यदि विपक्ष सामाजिक न्याय के प्रश्न को उठाता है, तो उसे केवल राजनीतिक चश्मे से देखने के बजाय व्यापक सामाजिक संदर्भ में समझा जाना चाहिए। सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि वह ऐसी घटनाओं को अलग-थलग घटनाएं कहकर टालने के बजाय उनकी जड़ तक पहुंचे। त्वरित और निष्पक्ष जांच, दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई और पीड़ितों की सुरक्षा सुनिश्चित करना आवश्यक है। साथ ही, सामाजिक जागरूकता अभियान चलाकर यह संदेश देना भी उतना ही जरूरी है कि जातिगत भेदभाव न केवल अवैध है, बल्कि नैतिक रूप से भी अस्वीकार्य है। विशेष रूप से आंगनवाड़ी, विद्यालय और अन्य शैक्षणिक संस्थानों में समानता और सम्मान के मूल्यों को व्यवहार में उतारने की जरूरत है। सामाजिक न्याय केवल विधायी प्रावधानों से स्थापित नहीं होता; वह समाज की मानसिकता में परिवर्तन से आता है। जब तक समाज के हर वर्ग में यह भावना विकसित नहीं होगी कि सम्मान और अधिकार जन्म से नहीं, बल्कि अच्छे मानव होने के नाते मिलते हैं, तब तक कठोर कानूनों की आवश्यकता बनी रहेगी। बच्चों के सामने यदि समानता का व्यवहार प्रस्तुत किया जाएगा, तभी वे भविष्य में भेदभाव से मुक्त समाज का निर्माण कर सकेंगे। ऐसे में जातिगत ही नहीं बल्कि किसी भी प्रकार का भेदभाव जो समाज और समुदाय को तोड़ने का काम करता है वाला प्रश्न किसी एक दल या विचारधारा का नहीं, बल्कि भारतीय समाज की आत्मा का प्रश्न है। विपक्ष की चिंता इसलिए वाजिब है क्योंकि वह संविधान में निहित उस मूल भावना की याद दिलाती है, जिसे हम अक्सर भाषणों में दोहराते हैं पर व्यवहार में भूल जाते हैं। आवश्यकता इस बात की है कि सामाजिक न्याय को राजनीतिक नारे से आगे बढ़ाकर राष्ट्रीय संकल्प बनाया जाए। तभी हम सही मायने में उस भारत की ओर बढ़ सकेंगे, जिसका सपना आजादी के दीवानों और संविधान निर्माताओं ने देखा था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारतीय स्टेट बैंक बनी देश की चौथी सबसे बड़ी लिस्टेड कंपनी

- मार्केट कैप में टीसीएस को पछाड़ कर हासिल किया मुकाम

मुंबई । देश का सबसे बड़ा सरकारी बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने हाल ही में शेयर बाजार में शानदार प्रदर्शन करते हुए टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को पीछे छोड़ दिया है। बुधवार को बाजार बंद होने तक एसबीआई का मार्केट कैप 10.92 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया, जबकि टीएसीएस का मार्केट कैप 10.52 लाख करोड़ रुपए था। इस वृद्धि के कारण एसबीआई अब देश की चौथी सबसे बड़ी लिस्टेड कंपनी बन गई है। मार्केट कैप के आधार पर देश की शीर्ष पांच लिस्टेड कंपनियां इस प्रकार हैं- रिलायंस इंडस्ट्रीज- 19.87 लाख करोड़, एचडीएफसी बैंक- 14.16 लाख करोड़, भारती एयरटेल- 11.47 लाख करोड़, एसबीआई- 10.92 लाख करोड़ और टीसीएस का मार्केट कैप- 10.52 लाख करोड़ रुपए था। एसबीआई के शेयरों में पिछले तीन कारोबारी सत्रों में लगभग 11 फीसदी की तेजी आई। निवेशकों का सरकारी बैंकों में बढ़ता भरोसा और मजबूत तिमाही नतीजे इस तेजी के मुख्य कारण हैं। एसबीआई ने तीसरी तिमाही में *21,030 करोड़ रुपए का लाभ दर्ज किया, जो बाजार अनुमानों से करीब 18 फीसदी अधिक है। बैंक की नेट इंटरेस्ट इनकम 9 फीसदी बढ़कर 45,190 करोड़ रुपए हो गई। घरेलू मार्जिन बढ़कर 3.12 फीसदी पर पहुंच गया, जबकि कुल मार्जिन 2.99 फीसदी स्थिर रहा। लोन पोर्टफोलियो में 15.6 फीसदी वृद्धि और जमा में 9 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। क्रेडिट कॉस्ट केवल 0.29 फीसदी रही, जो बैंक की मजबूत वित्तीय स्थिति को दर्शाता है। वहीं आईटी सेक्टर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर बढ़ती चिंताओं के कारण टीसीएस के शेयरों में पिछले पांच दिनों में लगभग 4 फीसदी की गिरावट** आई, जिससे रैंकिंग में बदलाव हुआ।

सेल का बिक्री लक्ष्य 2 करोड़ टन, ऋण घटाने और दक्षता बढ़ाने पर जोर

नई दिल्ली । स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने वित्त वर्ष 2025-26 में दो करोड़ टन स्टील बेचने का लक्ष्य रखा है। पिछले वर्ष इसकी बिक्री 1.79 करोड़ टन थी। अप्रैल-दिसंबर 2025 की नौ महीने की अवधि में कंपनी ने 1.66 करोड़ टन की बिक्री दर्ज की, जो 16.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है। सेल ने अप्रैल-दिसंबर 2025 में 5,000 करोड़ रुपए का ऋण चुकाया। 31 दिसंबर तक कुल ऋण 24,852 करोड़ रुपए था, जबकि जनवरी 2026 में इसमें 2,000 करोड़ रुपए और कटौती हुई। कंपनी परिचालन दक्षता, लागत अनुकूलन और मजबूत कोष प्रबंधन पर जोर दे रही है। कंपनी के एक अे धिकारी के अनुसार ये कदम वित्तीय स्थिति सुधारने और विकास निवेशों के अवसर बनाने में मदद कर रहे हैं। सेल केंद्रित विपणन पहलों और बेहतर प्रबंधन के जरिये अपनी नींव मजबूत कर रही है। इस मजबूत आधार के साथ कंपनी वित्त वर्ष 2025-26 में दो करोड़ टन बिक्री हासिल करने की उम्मीद कर रही है।

संस्थागत निवेशकों ने एथर एनर्जी में खरीदी 1.92 फीसदी हिस्सेदारी

- एनआईआईएफ ने यह सौदा अपनी सहयोगी इकाई एनआईआई-2 के माध्यम से किया

नई दिल्ली। नेशनल इन्वेस्टमेंट एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर फंड (एनआईआईएफ) ने एथर एनर्जी में अपनी 1.92 प्रतिशत हिस्सेदारी बेच दी है। एनआईआईएफ ने यह सौदा अपनी सहयोगी इकाई एनआईआई-2 के माध्यम से किया। दिसंबर तिमाही के अंत तक एनआईआईएफ के पास यह हिस्सेदारी थी, जो अब पूरी तरह बिक चुकी है। खुली बाजार में हुई इस लेनदेन में मॉर्गन स्टेनली, गोल्डमैन सैश, सोसाइटी जनरली, अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी सहित प्रमुख संस्थागत निवेशकों ने कुल 73,33,219 शेयर खरीदे। औसत कीमत 710 रुपये प्रति शेयर रही, जिससे कुल सौदे का मूल्य लगभग 521 करोड़ रुपये बना। इस खरीद में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड, टाटा म्यूचुअल फंड, इनवेस्को म्यूचुअल फंड, मोतीलाल ओसवाल म्यूचुअल फंड, आदित्य बिड़ला सन लाइफ म्यूचुअल फंड, व्हाइटओक कैपिटल म्यूचुअल फंड और टाटा एआईजी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी शामिल हैं। इस सौदे के बाद एनआईआईएफ एथर एनर्जी में पूरी तरह बाहर हो गया है, जबकि संस्थागत निवेशकों की हिस्सेदारी बढ़ी है।

सोना-चांदी निवेश में तेजी, बदल रहा है निवेशकों का रुझानः रिपोर्ट

- निवेशकों को संतुलित और चरणबद्ध रणनीति अपनाने की सलाह

मुंबई ।

दुनिया भर में आर्थिक और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच सोना और चांदी निवेशकों के लिए फिर से आकर्षक विकल्प बन गए हैं। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि हालिया तेजी केवल अल्पकालिक उछाल नहीं, बल्कि दीर्घकालिक मजबूत ट्रेंड की शुरुआत हो सकती है। रिपोर्ट के अनुसार बड़े वैश्विक निवेशक अब सोने को अपने पोर्टफोलियो में स्थायी रूप से शामिल कर रहे हैं। पहले इसे केवल संकट के समय सुरक्षित निवेश माना जाता था, लेकिन अब यह लंबी अवधि की रणनीति का हिस्सा बन रहा है। केंद्रीय बैंकों की लगातार सोने की खरीद और ब्याज दरों में संभावित कटौती की उम्मीदें भी सोने की कीमतों को मजबूत आधार दे रही हैं। अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती और डॉलर की कमजोरी विशेष रूप से सोने के लिए सकारात्मक हैं। भारतीय निवेशकों के लिए रुपये की कमजोरी अतिरिक्त रिटर्न का अवसर देती है। चांदी की कीमतों में तेजी सिर्फ निवेश से

नहीं बल्कि औद्योगिक मांग से भी प्रभावित है। सोलर पैनल, रिन्यूएबल एनर्जी, इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिक व्हीकल जैसे क्षेत्रों में बढ़ती खपत चांदी की दीर्घकालिक कीमतों को समर्थन देती है। रिपोर्ट के मुतो बिक नए निवेशकों को कुल पोर्टफोलियो का 5-10 फीसदी हिस्सा सोना और चांदी में रखने और निवेश चरणबद्ध करने की सलाह दी गई है। जिन निवेशकों की हिस्सेदारी 25-30 फीसदी से अधिक है, उन्हें पोर्टफोलियो की समीक्षा कर आंशिक मुनाफा वसूलने की सलाह दी गई है।

पतंजलि फूड्स ने 9 महीनों में तोड़ा रिकॉर्ड, राजस्व 29,000 करोड़ के पार

- कंपनी ने तीसरी तिमाही में 594 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया

नई दिल्ली । बाजार की अनिश्चितता और वैश्विक मंदी के बीच बाबा रामदेव की अगुवाई वाली पतंजलि फूड्स ने वित्त वर्ष के पहले 9 महीनों में अभूतपूर्व सफलता दर्ज की। कंपनी का कुल राजस्व 29,000 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। हालिया तीसरी तिमाही में भी कंपनी का प्रदर्शन मजबूत रहा, जिसमें राजस्व 10,500 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल की इसी तिमाही से 16 फीसदी अधिक है। कंपनी ने तीसरी तिमाही में लगभग 594 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा कमाया। हालांकि ऐ बिटा 500 करोड़ रुपये के नीचे दर्ज किया गया, लेकिन कुल ग्रोथ ने निवेशकों का भरोसा मजबूत किया है। पतंजलि की सफलता के पीछे उसके एफएमसीजी सेगमेंट का अहम योगदान है। इस विभाग ने साल-दर-साल 39 फीसदी की वृद्धि दिखाई और कुल मुनाफे में महत्वपूर्ण हिस्सा रखा। खाद्य तेल का सेक्टर भी कंपनी के लिए रेवेन्यू का बड़ा स्तंभ बना। फूड ऑयल सेगमेंट ने 7,335 करोड़ रुपये का राजस्व उत्पन्न किया, जिसमें कुल तेल बिक्री का 85 फीसदी ब्रांडेड उत्पादों से हुआ। कंपनी ने न केवल अपने पुराने ग्राहकों को बनाए रखा बल्कि नए बाजारों में भी प्रवेश किया। बिस्कुट, नूडल्स और अन्य रोजमर्रा की चीज़ों की बढ़ती डिमांड ने रेवेन्यू में योगदान बढ़ाया।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 558 , निफ्टी 146 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट एशियाई बाजारों से मिले सकरात्मक संकेतों के बाद भी आईटी शेयरों में बिकवाली के कारण आई है। इससे दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाबा बीएसई सेंसेक्स 558.72 अंक टूटकर 83,674.92 और 50 शेयरों वाला एनएस निफ्टी 146.65 अंक फिसलकर 25,807.20 पर बंद हुआ। इन दौरान निफ्टी आईटी शेयरों में भारी गिरावट रही और ये 5.51 फीसदी टूटकर बंद हुए। निफ्टी रियल्टी , निफ्टी मीडिया , निफ्टी ऑयल एंड गैस , निफ्टी सर्विसेज), निफ्टी एनर्जी और निफ्टी एफएमसीजी में भी गिरावट रही।

वहीं दूसरी ओर निफ्टी इंडिया डिफेंस , निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयरों में तेजी रही। आज लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी बड़ी गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 283.70 अंक फिसलकर 60,470.85 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 110.90 अंक नीचे आकर 17,344.10 पर बंद हुआ।सेंसेक्स पैक में बजाज फाइनेंस, आईसीआईसीआई बैंक, ट्रेंट, बीईएल, एसबीआई, टाइटन, एशियन पेंट्स, बजाज फिनसर्व, एलएंडटी, भारती एयरटेल और टाटा स्टील के शेयर लाभ में रहे थे जबकि टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, टीसीएस, एचसीएल टेक, एमएंडएम, एचयूएल, एचडीएफसी बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर गिरे।

इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत कमजोरी के साथ हुई। आईटी कंपनियों में तेज बिकवाली के चलते बाजार पर दबाव बना रहा। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स

409 अंकों की गिरावट के साथ 83,825 के स्तर पर पहुंच गयावहीं निफ्टी भी 113 अंक फिसलकर 25,841 पर आ गया।। वहीं आज एशियाई बाजारों में मजबूती रही। जापान का निक्केई 225 पहली बार 58,000 के स्तर को पार कर गया। निक्केई 225 में 0.5 फीसदी की बढ़त रही। दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक 1.9 फीसदी उछला। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी एएसएक्स 200 सूचकांक 0.6 फीसदी बढ़ा। वहीं अमेरिका में बुधवार को प्रमुख सूचकांक हल्की गिरावट के साथ बंद हुए। एसएंडपी 500 लगभग स्थिर रहा जबकि नैस्डैक कंपोजिट 0.16 फीसदी फिसला और डॉव जोन्स 0.13 फीसदी गिरा।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया गुरुवार को 19 पैसे की तेजी के साथ ही 90.59 पर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया 38 पैसे उछलकर 90.40 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी निवेश प्रवाह और केंद्रीय बैंक के संभावित हस्तक्षेप से इसे समर्थन मिला है। इसके अलावा भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने ये सुनिश्चित किया कि बैंकों में पर्याप्त नकदी बनी रहे। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.55 पर खुला। फिर इसने गति पकड़ी और 90.40 तक पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 38 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया प्रारंभिक कारोबार में अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 90.56 तक भी पहुंचा। रुपया बुधवार को 22 पैसे की गिरावट के साथ 90.78 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 फीसदी की गिरावट के साथ 96.78 पर रहा था।

आईसीआईसीआई समूह को एचडीएफसी बैंक में हिस्सेदारी बढ़ाने आरबीआई से मंजूरी

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एसेट मैनेजमेंट कंपनी और आईसीआईसीआई समूह की अन्य कंपनियों को एचडीएफसी बैंक में अपनी हिस्सेदारी 9.95 फीसदी तक बढ़ाने की अनुमति दे दी है। एचडीएफसी बैंक ने बुधवार देर रात यह जानकारी शेयर बाजार को दी। 6 फरवरी तक आईसीआईसीआई समूह के पास एचडीएफसी बैंक में कुल 4.07 फीसदी हिस्सेदारी थी। आरबीआई की मंजूरी के बाद समूह अब अपनी हिस्सेदारी रणनीतिक रूप से बढ़ा सकता है। आरबीआई ने यह अनुमति एक साल की अवधि के लिए दी है। साथ ही यह स्पष्ट किया गया है कि आईसीआईसीआई समूह की कुल हिस्सेदारी किसी भी समय 9.95 फीसदी से अधिक नहीं होनी चाहिए। यदि किसी वजह से हिस्सेदारी 5 फीसदी से नीचे चली जाती है, तो इसे फिर से 5 फीसदी या उससे अधिक बढ़ाने के लिए आरबीआई से नई मंजूरी लेनी होगी।

इसका मतलब है कि हिस्सेदारी बढ़ाने और बनाए रखने दोनों पर

आरबीआई की निगरानी बनी रहेगी। एचडीएफसी बैंक भारत का सबसे बड़ा बैंक है, जिसकी बाजार पूंजीकरण लगभग 157 अरब डॉलर है।

आईसीआईसीआई समूह की हिस्सेदारी बढ़ाना रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। बाजार की नजर अब इस बात पर टिकी है कि आईसीआईसीआई समूह कितनी तेजी से अपनी हिस्सेदारी बढ़ाता है और इसका एचडीएफसी बैंक के शेयरों पर क्या प्रभाव पड़ता है।

सैमसंग पेश करेगा नया गैलेक्सी एस26 एआई स्मार्टफोन

सोल । सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स इस महीने अमेरिका में होने वाले गैलेक्सी अनपैक्ड 2026 इवेंट में अपना नया फ्लैगशिप स्मार्टफोन पेश करेगा। कार्यक्रम 25 फरवरी, को सैन फ्रांसिस्को में आयोजित होगा। कंपनी ने अपने आमंत्रण में कहा- द नेक्स्ट एआई फोन मेक्स योर लाइफ ईजियर। नए स्मार्टफोन, संभवतः गैलेक्सी एस26, में उन्नत एआई फीचर्स होंगे। यह फोन रोजमर्रा के काम आसान बनाने, आत्मविश्वास बढ़ाने और गैलेक्सी एआई को सहज रूप से एकीकृत करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। फोन में नया प्राइवेसी फीचर भी शामिल होगा, जिससे यूजर्स स्क्रीन की जानकारी दूसरों से छिपा सकेंगे। इसके लिए किसी अतिरिक्त स्क्रीन गार्ड की आवश्यकता नहीं होगी। यूजर्स विभिन्न सेटिंग्स के माध्यम से स्क्रीन की विज़िबिलिटी नियंत्रित कर पाएंगे, जिससे शोल्डर सर्फिंग से बचाव होगा। सैमसंग ने इस तकनीक को विकसित करने में पांच साल से अधिक समय लगाया। यह फीचर विशेष रूप से एस26 अल्ट्रा मॉडल में उपलब्ध हो सकता है और एआई के नए दौर की शुरुआत का संकेत देता है।

इंडिया इम्पैक्ट समिटः एआई महाशक्ति बनने की ओर भारत का बड़ा कदम

- 70-100 अरब डॉलर निवेश की संभावना, 100 से अधिक देशों के दिग्गज दिल्ली में जुटेंगे

नई दिल्ली (ईएमएस)।

नई दिल्ली में आयोजित होने जा रहे इंडिया इम्पैक्ट समिट में दुनिया भर के 100 से अधिक देशों से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) क्षेत्र के प्रमुख विशेषज्ञ, शीर्ष कंपनियों के मुख्य कार्याधिकारी और राष्ट्र प्रमुख भाग लेंगे। दो दिवसीय इस सम्मेलन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। आयोजन में 35,000 से अधिक प्रतिनिधियों की उपस्थिति की संभावना है और 70 से 100 अरब डॉलर तक के निवेश की घोषणाएं हो सकती हैं। भारत इस मंच के माध्यम से स्वयं को अमेरिका और चीन के बीच एआई क्षेत्र में एक वैकल्पिक वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित करना चाहता है। इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 'संप्रभु एआई' को राष्ट्रीय लक्ष्य बताते हुए कहा कि भारत को एआई के पांच प्रमुख स्तरों- एप्लीकेशंस, मॉडल, चिपसेट, अधोसंरचना और ऊर्जा-में प्रतिस्पर्धी बनना होगा। भारत की सबसे बड़ी ताकत उसका विशाल डिजिटल बाजार है। चैटजीपीटी के डाउनलोड के मामले में भारत अमेरिका के बाद दूसरा सबसे बड़ा बाजार है। सेंसरटॉवर के अनुसार 2025 में वैश्विक जनरेटिव एआई ऐप डाउनलोड का 16 प्रतिशत भारत से हुआ। विश्व आर्थिक मंच में प्रस्तुत रिपोर्ट के अनुसार 86 प्रतिशत भारतीय कंपनियां एआई का उपयोग कर रही हैं या इसकी संभावनाएं तलाश रही हैं। हालांकि चुनौतियां भी कम नहीं हैं। अभी तक कोई भारतीय एआई कंपनी 1,000 करोड़ रुपये से अधिक राजस्व के स्तर तक नहीं पहुंची है। सेमीकंडक्टर, उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग और ऊर्जा अवसंरचना जैसे क्षेत्रों में बड़े निवेश की आवश्यकता है।

साथ ही पारंपरिक आईटी सेवा कंपनियों के लिए एआई युग में प्रतिस्पर्धा बनाए रखना भी बड़ी परीक्षा होगी। इंडिया इम्पैक्ट समिट भारत की एआई महत्वाकांक्षा को वैश्विक मंच पर स्थापित करने की दिशा में एक निर्णायक कदम माना जा रहा है।

17.15 लाख करोड़ के पूंजीगत व्यय से विकसित भारत को मिली रफ्तारः वित्त मंत्री

बुनियादी ढांचा, बायोफार्मा, सेमीकंडक्टर और एमएसएमई पर जोर

नई दिल्ली ।

लोकसभा में बजट पर सामान्य चर्चा का जवाब देते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि सरकार द्वारा किया गया 17.15 लाख करोड़ रुपये का प्रभावी पूंजीगत व्यय विकसित भारत के लक्ष्य को तेजी से हासिल करने में सहायक होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि वित्त वर्ष 2027 के लिए प्रत्यक्ष पूंजीगत व्यय 12.22 लाख करोड़ रुपये निर्धारित है, लेकिन राज्यों और केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रमों को पूंजी हस्तांतरण सहित कुल प्रभावी व्यय 17.15 लाख करोड़ रुपये है, जो सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 4.4 प्रतिशत है। वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार का जोर केवल राष्ट्रीय राजमार्गों तक सीमित नहीं है, बल्कि जलमार्गों के विकास पर भी ध्यान दिया जा रहा है। इसका उद्देश्य लॉजिस्टिक्स लागत कम करना और दूरदराज़ राज्यों को सस्ती एवं तेज परिवहन सुविधा उपलब्ध कराना है। इससे उन राज्यों को विशेष लाभ मिलेगा जो समुद्री बंदरगाहों से सीधे नहीं जुड़े हैं। सीतारमण ने कहा कि यह बजट 21वीं सदी के इस चरण का पहला बजट है और इसमें भविष्य को ध्यान में रखते हुए निवेश किया गया है। बायो-फार्मा क्षेत्र में बायोसिमिलर दवाओं के अनुसंधान को बढ़ावा दिया जाएगा, ताकि गंभीर और दीर्घकालिक बीमारियों के इलाज में भारत अग्रणी बन सके। इसके साथ ही इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 की शुरुआत की गई है, जिससे देश तकनीकी आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ेगा। कार्बन कैप्चर, उपयोग और भंडारण तकनीक में निवेश को 2070 तक नेट-जीरो लक्ष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया गया। श्रम-आधारित और विरासत उद्योगों के पुनरुद्धार के साथ एमएसएमई और मध्यम उद्योगों को वित्तीय सहयोग देने की भी घोषणा की गई है। मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए पांच क्षेत्रीय केंद्र स्थापित किए जाएंगे, जिनके चयन में पीएम गति शक्ति के मानदंड लागू होंगे। वित्त मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि ऋण-जीडीपी अनुपात को लक्ष्य बनाना नया कदम नहीं है, बल्कि इसे 2018 में एफआरबीएम संशोधन में शामिल किया जा चुका है।

मिस-सेलिंग रोकने के लिए आरबीआई का सख्त रुख

- बैंक स्टाफ के लिए नई गाइडलाइन जारी

नई दिल्ली ।

वित्तीय उत्पादों की भ्रामक बिक्री (मिस-सेलिंग) करने के मामले पर रोक लगाने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सख्त रुख अपनाया है। बैंकिंग नियामक ने बीमा कंपनियों या म्युचुअल फंडों जैसे तीसरे पक्ष के उत्पादों और सेवाओं को बेचने के लिए बैंक कर्मचारियों को मिलने वाली प्रोत्साहन राशि पर रोक लगाने का प्रस्ताव किया है। आरबीआई ने कहा कि बैंक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए यूजर इंटरफेस में कोई डार्क पैटर्न इस्तेमाल न हो। बीते सोमवार को जारी विनियमित इकाइयों द्वारा वित्तीय उत्पादों और सेवाओं के विज्ञापन, मार्केटिंग और बिक्री के लिए संशोधित दिशानिर्देश के मसौदे में यह प्रस्ताव किया गया है कि कोई बैंक किसी भी तीसरे पक्ष के उत्पाद की बिक्री को अपने किसी उत्पाद के साथ जोड़कर नहीं करेगा। अगर बैंक अपने उत्पाद को बेचने के लिए तीसरे पक्ष के उत्पाद की खरीद पर निर्भर है तो ग्राहक को किसी दूसरी कंपनी से वही उत्पाद खरीदने का विकल्प दिया जाना चाहिए। अगर भ्रामक तरीके से बिक्री की बात साबित होती है तो बैंकों को पूरी रकम वापस करनी होगी और ऐसे उत्पादों की बिक्री से होने वाले किसी भी नुकसान के लिए बैंक ग्राहकों को हर्जाना भी देंगे। नियामक ने कहा कि बैंक यह सुनिश्चित करेगा कि उत्पादों और सेवाओं की बिक्री के लिए व्यावसायिक इकाइयों के बीच प्रतिस्पर्धा की नीतियां और कार्य न तो गलत बिक्री के लिए प्रोत्साहित करेंगे और न ही कर्मचारियों/प्रत्यक्ष बिक्री एजेंटों को उत्पाद/सेवाओं की बिक्री पर जोर देने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। प्रस्तावित नियम बैंकों और बीमा कंपनियों/म्युचुअल फंडों दोनों के लिए एक बड़ा झटका हो सकता है क्योंकि वे अपने उत्पादों के वितरण के लिए बैंकों पर बहुत ज्यादा निर्भर हैं। दूसरी ओर बैंकों को ऐसे उत्पादों के वितरण के लिए फीस मिलती है।

पिछले साल नवंबर में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने देश के बैंकिंग तंत्र में लोगों का भरोसा बनाए रखने की जरूरत पर जोर दिया था

और ऋणदाताओं से उत्पादों की भ्रामक बिक्री पर रोक लगाने की अपील की थी। बैंकिंग नियामक ने भी कहा था कि बैंकों को अपनी मुख्य कारोबारी गतिविधियों पर ध्यान देना चाहिए।

सिएरा का 1.5 लीटर टीजीडीआई हायपेरियन इंजन है सबसे तेजः सर्वे

नई दिल्ली ।

टाटा सिएरा के इंजनों की परफॉर्मेंस सामने आई है, जिससे आप अपनी ड्राइविंग स्टाइल के मुताबिक सही वेरिएंट चुन सकते हैं। ऑटोकार इंडिया के डेटा के आधार पर सिएरा का 1.5 लीटर टीजीडीआई हायपेरियन इंजन सबसे तेज है, जबकि नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन अपेक्षाकृत स्लो परफॉर्मेंस देता है। 1.5 लीटर टीजीडीआई टर्बो-पेट्रोल इंजन ने परफॉर्मेंस के मामले में खुद को सबसे आगे साबित किया है। यह इंजन मात्र 10.09 सेकंड में 0 से 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ लेता है, जो इसे अपने सेगमेंट की सबसे फास्ट कारों में शामिल करता है। टेस्ट ट्रैक नटराक्स पर कंपनी ने इस इंजन के साथ 222 किमी प्रति घंटे की टॉप स्पीड भी हासिल की थी, हालांकि प्रोडक्शन मॉडल में इसकी टॉप स्पीड 190 किमी प्रति घंटे तक सीमित रखी गई है।

इतना ही नहीं, यह इंजन शक्तिशाली होने के साथ रिफाइंड और फ्यूल-एफिशिएंट भी है। यह वेरिएंट फिलहाल सिर्फ ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन में उपलब्ध है। दूसरी ओर, 1.5 लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल (रेवोट्रॉन) इंजन थोड़ा धीमा है और 0 से 100 की स्पीड पकड़ने में 17.34 सेकंड लेता है।

इसका टॉर्क डिलीवरी कम आरपीएम पर अच्छी है, जिससे यह शहर की ड्राइविंग के लिए बेहतर है। स्मूथ और रिफाइंड ड्राइविंग अनुभव होने के बावजूद ओवरटेकिंग के दौरान थोड़ी प्लानिंग की जरूरत पड़ती है। यह इंजन मैनुअल ट्रांसमिशन के साथ उपलब्ध है, जिसका गियरशिफ्टिंग अनुभव काफी अच्छा है। सबसे धीमा परफॉर्मेंस 7-स्पीड ड्यूल-क्लच ऑटोमैटिक के साथ आता है, जिसे 0-100 किमी/घंटा रफ्तार पकड़ने में 21.16 सेकंड लगते हैं। गियर शिफ्टिंग के समय हल्का पॉज महसूस होता है, जिससे इसका एक्सेलेरेशन थोड़ा रिलैक्स्ड लगता है। अगर आप एक बैलेंस्ड और बेहतर एक्सेलरेशन वाले विकल्प की तलाश में हैं, तो 1.5 लीटर डीजल इंजन अच्छा विकल्प बनता है। यह इंजन मैनुअल और ऑटोमैटिक दोनों गियरबॉक्स के साथ आता है और 12.87 सेकंड में 0-100 की स्पीड पकड़ सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टी20 विश्वकप : कप्तान दासुन शनाका की रिकॉर्ड तोड़ पारी, टी20 विश्व कप में श्रीलंका ने ओमान को बुरी तरह हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। सह-मेजबान श्रीलंका ने पल्लेकेले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के 16वें मैच में ओमान पर 105 रनों की शानदार जीत दर्ज की। कप्तान दासुन शनाका के रिकॉर्ड तोड़ अर्धशतक और शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन की बदौलत श्रीलंका ने ऑस्ट्रेलिया को पछाड़कर टी20 विश्व कप 2026 की अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। कुसल मेंडिस (45 गेंदों में 61 रन), पवन रत्नायके (28 गेंदों में 60 रन) और दासुन शनाका (20 गेंदों में 50 रन) ने बल्ले से दबदबा बनाया, जबकि महेश थीक्षाना (4 ओवर में 2/11) और दुशमंथा चमीरा (20 ओवर में 2/19) ने गेंद से बेहतरीन प्रदर्शन किया।

ओमान के कप्तान जतिंदर सिंह द्वारा पहले बल्लेबाजी करने के लिए कहे जाने के बाद, श्रीलंका ने पावरप्ले के दौरान शुरुआती झटके झेले, जिसमें कामिल मिश्रा (8) और पथुम निस्संका (13) आउट हो गए। हालांकि, ओमान द्वारा उलटफेर करने की कोई भी उम्मीद कुसल मेंडिस और पवन रत्नायके के बीच महज 50 गेंदों में खेली गई 94 रनों की तूफानी साझेदारी के सामने जल्द ही खत्म हो गई। रत्नायके ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए महज 28 गेंदों में 60 रन बनाए, जिसमें आठ चौके और एक छक्का शामिल था। 14वें ओवर में उनके आउट होने के बाद दासुन शनाका के आने से ओमान की टीम ने और भी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की।

शनाका ने रिकॉर्ड तोड़ते हुए सिर्फ 19 गेंदों में श्रीलंकाई बल्लेबाज द्वारा टी20 अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक बनाने का सबसे तेज रिकॉर्ड कायम किया। पांच छक्के और दो चौकों सहित उनकी नाबाद पारी ने श्रीलंका को 20 ओवरों में 225/5 के विशाल स्कोर तक पहुंचाया - जो टूर्नामेंट का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर और पुरुष टी20 विश्व कप के इतिहास का चौथा सबसे बड़ा स्कोर है। 226 रनों के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करते हुए ओमान की बल्लेबाजी शुरू होने से पहले ही लड़खड़ा गई। दुशमंथा चमीरा ने पहले छह ओवरों में दो विकेट लेकर जतिंदर सिंह को एक रन पर और हम्माद मिर्जा को नौ रन पर आउट कर दिया।

अनुभवी मोहम्मद नदीम ने भले ही कुछ हद तक संघर्ष की उम्मीद जगाई हो, लेकिन चोटिल वानिंदु हसरंगा की अनुपस्थिति में श्रीलंका के स्पिन-प्रधान आक्रमण के सामने ओमान की टीम पूरी तरह से पस्त हो गई। नदीम की 56 गेंदों पर खेली गई 53 रनों की जुझारू पारी ने उन्हें टी20 विश्व कप इतिहास में अर्धशतक बनाने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी का खिताब दिलाया, लेकिन यह ओमान के लिए काफी नहीं था। बढ़ते आवश्यक रन रेट के आगे मध्य क्रम बिखर गया, हालांकि महेश थीक्षाना और दुनीथ वेल्लालगे ने दबाव बनाए रखा। अंततः ओमान ने अपने 20 ओवरों में 120/9 का स्कोर बनाया, जो लक्ष्य से काफी कम था।

फ्रांसिस्को सेरुंडोलो अर्जेंटीना ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

ब्यूनस आयर्स (एजेंसी)। लोकल फेवरेट और टॉप सीड फ्रांसिस्को सेरुंडोलो बुधवार को बोलीविया के ह्यूगो डेलियन को 6-0, 7-6 (6) से हराकर अर्जेंटीना ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। वर्ल्ड नंबर 19 सेरुंडोलो ने शुरुआती सेट में दम दिखाया और दूसरे सेट में आठ सेट पॉइंट बचाकर ब्यूनस आयर्स लॉन टेनिस क्लब के आउटडोर क्ले कोर्ट पर एक घंटे 24 मिनट में मैच अपने नाम कर लिया।

27 साल के सेरुंडोलो ने कहा, 'शुरुआत में चीजें जिस तरह से हुईं, उससे मैं खुश था लेकिन फिर उसने अग्रेसिव खेलना शुरू कर दिया और यह मुश्किल हो गया। मैंने कुछ सेट पॉइंट बचाए और मैं बस आगे बढ़कर खुश हूं।' सेरुंडोलो एटीपी 250 इवेंट के अगले राउंड में चेक रिपब्लिक के विट कोप्रिवा से भिड़ेंगे।

कोप्रिवा ने दिन में पहले इटली के आठवें सीड मातियो बेरेटिनी को 6-4, 6-3 से हराकर आगे बढ़े। बुधवार को दूसरे मैचों में, टॉमस एचेवेरी ने अर्जेंटीना के साथी रोमन बुरुचागा को 7-6 (5), 6-7 (3), 6-4 से हराया और चिली के एलेजांद्रो टेबिलो ने ब्राजील के तीसरे सीड जोआओ फोंसेका को 6-3, 3-6, 7-5 से हराया।

टी20 वर्ल्ड कप : मोस्का भाईयों की धमाकेदार बल्लेबाजी से इटली ने नेपाल को दस विकेट से हराया

मुंबई (एजेंसी)। मोस्का भाईयों की आक्रामक बल्लेबाजी से इटली ने आईसीसी टी20 विश्व कप 2026 में नेपाल को दस विकेट से हराकर पहली जीत दर्ज की है। इटली की टीम की जीत इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि वह पहली बार किसी आईसीसी टूर्नामेंट में भाग ले रही है। उसे पहले मैच में स्कॉटलैंड ने आसानी से हरा दिया था पर इस मैच से उसने धमाकेदार वापसी की है। इस मैच में टॉस हार कर पहले बल्लेबाजी करते हुए नेपाल ने 19.3 ओवर में 123 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को इटली ने केवल 12.4 ओवर में ही 124 रन बनाकर हासिल कर लिया। टीम की ओर से जस्टिन मोस्का ने 44 गेंद में नाबाद 60 रन जबकि एंथनी मोस्का ने 32 गेंद में नाबाद 62 रन बनाये।

इस मैच में जीत के लिए मिले लक्ष्य का पीछा करते हुए मोस्का भाइयों ने तेज शुरुआत की ओर दोनो ने ही अर्धशतक लगाये। पहले चार ओवर में ही दोनों ने मिलकर 50 रनों से अधिक बना दिये। इसके बाद जब पावर प्ले में भी अच्छी बल्लेबाजी की। जस्टिन ने 44 गेंद में पांच चौके और तीन छक्के लगाकर नाबाद 60 रन जबकि एंथनी मोस्का ने 32 गेंद में 6 छक्के और 3 चौके लगाकर नाबाद 62 रन बनाये।

टी20 वर्ल्ड कप: ईशान किशन ने खेली धमाकेदार अर्धशतकीय पारी, रोहित-अभिषेक की बराबरी की

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत के सलामी बल्लेबाज़ ईशान किशन ने नामीबिया के खिलाफ ऐसी तूफानी पारी खेली, जिसने पावरप्ले बल्लेबाज़ी की नई मिसाल पेश कर दी। महज़ 20 गेंदों में अर्धशतक पूरा करते हुए किशन ने मैच की दिशा शुरुआती छह ओवरों में ही तय कर दी। 24 गेंदों पर 61 रन की उनकी आक्रामक पारी में चौकों-छक्कों की बारिश देखने को मिली। इस प्रदर्शन के साथ ईशान ने टी20 इंटरनेशनल में पावरप्ले में भारत के लिए 50 रन बनाने वाले चुनिंदा बल्लेबाज़ों की सूची में अपनी जगह और मजबूत कर ली।

पावरप्ले में 50 रन: खास क्लब में भारतीय बल्लेबाज

टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पहले छह ओवर यानी पावरप्ले सबसे अहम माने जाते हैं। इसी दौरान मैच की रफ्तार तय होती है। भारत की ओर से 1-6 ओवर के भीतर 50 रन बनाने का कारनामा बहुत कम बल्लेबाज कर पाए हैं। इस खास सूची में सबसे ऊपर अभिषेक शर्मा हैं, जिन्होंने यह उपलब्धि तीन बार हासिल की है। उनके बाद रोहित शर्मा और ईशान किशन का नाम आता है, जिन्होंने दो-दो बार पावरप्ले में 50 रन पूरे किए। केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल भी एक-एक बार यह कमाल कर चुके हैं।

टी20आई में भारत के लिए 1-6 ओवर में फिफ्टी

अभिषेक शर्मा (तीन बार)
रोहित शर्मा (दो बार)
ईशान किशन (दो बार)
केएल राहुल (एक बार)
यशस्वी जायसवाल (एक बार)

नामीबिया के खिलाफ ईशान का तूफान

दिल्ली में खेले गए मुकाबले में ईशान किशन ने शुरुआत से ही आक्रामक तेवर दिखाए। नामीबिया के गेंदबाज़ों पर दबाव बनाते हुए उन्होंने मैदान के हर कोने में शॉट लगाए। ईशान ने सिर्फ 20 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। यह उनकी पारी का सबसे खास पल रहा। उन्होंने कुल 24 गेंदों पर 61 रन बनाए, जिसमें 6 चौके और 5 शानदार छक्के शामिल थे। उनका स्ट्राइक रेट 250 से अधिक रहा, जो टी20 क्रिकेट में बेहद प्रभावशाली माना जाता है। पावरप्ले के दौरान उनकी बल्लेबाजी ने भारतीय टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

भारतीय ओपनिंग रणनीति का नया चेहरा

भारत ने पिछले कुछ वर्षों में पावरप्ले का अधिकतम फायदा उठाने की रणनीति अपनाई है। रोहित शर्मा और केएल राहुल जैसे अनुभवी बल्लेबाज़ों ने इसकी नींव रखी, जबकि अभिषेक शर्मा और यशस्वी जायसवाल जैसे युवा खिलाड़ियों ने इसे आगे बढ़ाया। ईशान किशन का नाम इस सूची में शामिल होना यह दर्शाता है कि वह बड़े मंच पर भी आक्रामक खेल दिखाने में सक्षम हैं। उनकी बल्लेबाज़ी शैली आधुनिक टी20 क्रिकेट की मांग के अनुरूप है—तेज रन, कम जोखिम और मैच पर शुरुआती नियंत्रण।

संजू सैमसन टी20 विश्व कप में डेब्यू करने वाले दूसरे सबसे उम्रदराज भारतीय बने, देखें टॉप 5 खिलाड़ी

नई दिल्ली । आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप ए मुकाबले में दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में भारत और नामीबिया आमने-सामने हैं। इस मैच में विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन ने आखिरकार टी20 वर्ल्ड कप में अपना पहला मैच खेला और खास रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। 31 साल 93 दिन की उम्र में डेब्यू करते ही वह भारत की ओर से टी20 वर्ल्ड कप में पहली बार खेलने वाले दूसरे सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए।

भारत के लिए टी20 वर्ल्ड कप में डेब्यू करने वाले उम्रदराज खिलाड़ी- संजू सैमसन का यह डेब्यू सिर्फ एक मैच नहीं, बल्कि एक आंकड़ों वाला मुकाम भी है। भारत के लिए टी20 वर्ल्ड कप में पहली बार खेलने के समय सबसे अधिक उम्र का रिकॉर्ड अमित मिश्रा के नाम है, जिन्होंने 2014 में पाकिस्तान के खिलाफ मीरपुर में 31 साल 117 दिन की उम्र में पहला मैच खेला था। सैमसन अब इस सूची में दूसरे नंबर पर हैं। उनसे नीचे सूर्यकुमार यादव (31 साल 40 दिन, 2021 बनाम पाकिस्तान), आशीष नेहरा (31 साल 2 दिन, 2010 बनाम अफगानिस्तान) और लक्ष्मीपति बालाजी (30 साल 358 दिन, 2012 बनाम अफगानिस्तान) आते हैं। यह आंकड़े बताते हैं कि भारतीय टीम में टी20 वर्ल्ड कप डेब्यू का मौका कई बार अनुभवी खिलाड़ियों को भी देर से मिलता है।

बटलर ने सबसे ऊंचा कैच पकड़ने का विश्व रिकार्ड बनाया

मुम्बई । इंग्लैंड की टीम के विकेटकीपर जोस बटलर ने भारत में जारी टी20 विश्कप के दौरान सबसे ऊंचा कैच पकड़ने का विश्व रिकॉर्ड अपने नाम किया है। इससे पहले ये रिकार्ड ऑस्ट्रेलिया के टिमोथी शैनन जेबेसीलन के नाम दर्ज था। टिमोथी ने सिडनी में 19 नवंबर 2021 को 119.86 मीटर करीब 393 फीट 2.897 इंच ऊंचाई वाला कैच पकड़ा था। बटलर ने ये रिकार्ड इंग्लैंड के ही पूर्व क्रिकेटर केविन पीटरसन की देखरेख में बनाया है। बटलर के लिए सबसे ऊंचा कैच पकड़ना आसान नहीं था। उन्होंने करीब 60 मिनट तक इसके लिए तैयारी की थी और अंत में इसे पूरा किया। बटलर ने इसके बाद 122 मीटर ऊपर से ड्रोन से गिराए गए इस कैच को पकड़ा, ये तब लगभग 400 फीट जमीन से ऊपर था। गौरतलब है कि अभी तक किसी ने भी 120 मीटर से ऊपर का कैच नहीं पकड़ा है। बटलर को 60 मिनट इस रिकॉर्ड कैच के लिए मिले थे। 50 मीटर के कैच से उन्होंने शुरुआत की थी। पहले कुछ प्रयासों में तो उन्हें समझ ही नहीं आ रहा था कि उनके साथ क्या हो रहा है। दगए वीडियो में बटलर केविन पीटरसन से ये कहते हुए भी नजर आए कि ये करना मुश्किल है, जबकि वर्ल्ड कप जीतना आसान है। बटलर ने ये भी कहा कि महेन्द्र सिंह धोनी और एडम गिलक्रिस्ट ने भी अब तक कभी इस प्रकार से कैच नहीं पकड़ा है। बटलर के लिए पहले गुलाबी गेंद हवा में ड्रोन से गिराई जा रही थी, जिसे वह पकड़ नहीं पा रहे थे तो उन्होंने सफेद गेंद से कैच पकड़ने के लिए कहा। सफेद गेंद से परेशानी पैदा कर रही थी तो उन्होंने फिर से लाल गेंद ली। इसके बाद 122 मीटर की दूरी वाला कैच पकड़ लिया और नया विश्व रिकॉर्ड कायम कर दिया।

टी20 विश्व कप : भारत के लिए चिंताजनक खबर, पाकिस्तान के खिलाफ नहीं खेलेगा ये धमाकेदार बल्लेबाज !

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत के तूफानी सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में नामीबिया के खिलाफ खेले गए मैच के लिए प्लेइंग इलेवन से बाहर रखा गया है। अमेरिका के खिलाफ पिछले मैच के दौरान उन्हें वायरल बुखार था, लेकिन फिर भी उन्होंने खेलने का फैसला किया। दिल्ली पहुंचने के बाद उनकी हालत बिगड़ गई और पेट में संक्रमण का पता चला, जिसके चलते उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। मेडिकल जांच के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई।

टॉस के समय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पुष्टि की कि अभिषेक ठीक हो रहे हैं, लेकिन उन्हें पूरी तरह से मैच फिटनेस हासिल करने में समय लगेगा। हालांकि वे टीम के साथ स्टेडियम पहुंचे, लेकिन उन्होंने अभ्यास नहीं किया और सिर्फ मैदान पर घूमते हुए नजर आए। कप्तान ने यह भी संकेत दिया कि सलामी बल्लेबाज पाकिस्तान के खिलाफ आगामी मैच में नहीं खेल पाएंगे, क्योंकि उन्हें वापसी के लिए एक या दो और मैच खेलने की जरूरत पड़ सकती है। सूर्यकुमार ने टॉस के बाद कहा कि अभिषेक अभी पूरी तरह ठीक नहीं हैं, वे एक-दो मैच नहीं खेल पाएंगे। संजू टीम में आए हैं, वे भी अभिषेक जैसे ही विस्फोटक बल्लेबाज हैं। बुमराह सिराज की जगह आए हैं। बीसीसीआई ने भारतीय सलामी बल्लेबाज की सेहत के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मेडिकल टीम फिलहाल अभिषेक की सेहत पर नजर रख रही है। बीसीसीआई ने ट्वीट किया कि अभिषेक शर्मा अभी भी अपनी बीमारी से उबर रहे हैं और चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे। बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी सेहत पर कड़ी नजर रख रही है।

भारत के खिलाफ मुकाबले को लेकर हमपर कोई दबाव नहीं : फरहान

कोलंबो । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान ने कहा है कि 15 फरवरी को भारतीय टीम के खिलाफ मुकाबले के लिए उनकी टीम तैयार है। फरहान ने कहा है कि इस महामुकाबले को लेकर उनकी टीम पर कोई दबाव नहीं है। पाक ने अपनी ग्रुप स्तर के शुरुआती मुकाबलों में नीदरलैंड और अमेरिका को हराया है। इसमें फरहान ने काफी अच्छी बल्लेबाजी भी की है जिससे उनका मनोबल बढ़ा हुआ है। इसी को देखते हुए फरहान ने कहा कि दबाव भारतीय टीम पर अधिक होगा। इस बल्लेबाज ने कहा, जब आप दो लगातार मैच जीतते हैं, तो आपका आत्मविश्वास बढ़ता है। आने वाला मैच कोई बड़ी बात नहीं है, हम भारतीय टीम के खिलाफ पहली बार नहीं खेल रहे हैं। पहले भी खेल चुके हैं। इस बार उनके खिलाफ हम अलग प्रकार की रणनीति के साथ खेलेंगे। उन्होंने कहा, आपने हमें पहले कठिन हालातों में और संघर्ष करते हुए देखा है पर अब जबकि शादाब और नवाज रन बना रहे हैं। इसलिए उम्मीद है कि ये मुकाबला रोमांचक होगा और इसका सभी को आनंद आएगा। भारत और पाकिस्तान के बीच कुछ साल में हुए कई मैच एकतरफा रहे हैं और भारत ने आसानी से जीत हासिल की है। इसको लेकर फरहान ने कहा कि मुझे लगता है कि एशिया कप के दौरान हमारा मैच एकतरफा नहीं था। हम अंत तक खेले और लड़े। उम्मीद है कि इस बार हम और बेहतर खेल दिखाएंगे। फरहान ने कहा, मुझे लगता है कि जब आप रन बनाते हैं तो आपका आत्मविश्वास बढ़ता है। पिछली दो पारियों के बाद मेरा मनोबल भी बढ़ा है। भारत के खिलाफ मैच को हम एक आम मैच की तरह लेंगे और इसमें शांत दिमाग के साथ उतरेंगे। फरहान ने नीदरलैंड के खिलाफ पहले मैच में 47 रन जबकि अमेरिका के खिलाफ 73 रन बनाये थे।

लियोनेल मेस्सी चोटिल, इंटर मियामी के पहले मैच में खेलना संदिग्ध

फोर्ट लॉडरडेल (अमेरिका)। स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी की बायीं हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया है जिसके कारण उनका इंटर मियामी की तरफ से एमएलएस कप में 21 फरवरी को एलएएफसी के खिलाफ होने वाले सत्र के पहले मैच में खेलना संदिग्ध है। इंटर मियामी की टीम ने बुधवार को मेस्सी के चोटिल होने के बारे में जानकारी दी। एमएलएस के लगातार दो बार के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी मेस्सी ने पिछले सप्ताहांत इक्वाडोर में सत्र से पहले खेले गए मैच में एक गोल किया, लेकिन दूसरे हाफ के लगभग 12 मिनट बाद उन्हें संभवत: हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण मैदान छोड़ना पड़ा था। इंटर मियामी ने एक बयान में कहा, 'अभ्यास में उनकी वापसी आने वाले दिनों में उनकी फिटनेस की प्रगति पर निर्भर करेगी।'

आईसीसी ने नबी पर जुर्माना लगाया

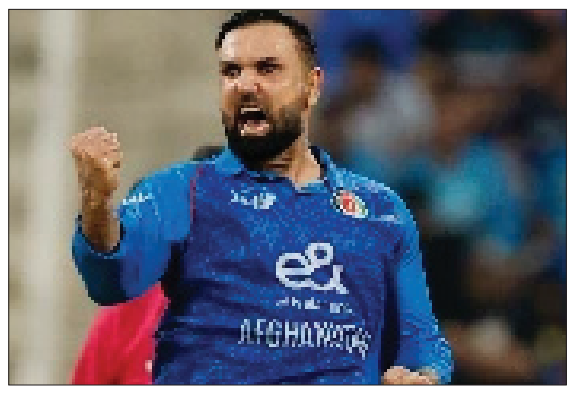

अहमदाबाद । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के बल्लेबाज मोहम्मद नबी पर आचार संहित उल्लंघन के मामले में जुर्माना लगाया है। नबी पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हुए मैच में आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। यह नियम अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान अंपायर के निर्देश को न मानने से जुड़ा है। जुर्माने के अलावा नबी के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक नकारात्मक अंक भी जोड़ा गया है। पिछले 24 महीने में उनकी यह पहली गलती थी। यह मामला अफगानिस्तान की पारी के 14वें ओवर का है जब नबी की अंपायरों के साथ गेंदबाज लुंगी एनगिडी के कलाई बैंड को लेकर बहस हो गयी। नबी ने अपनी गलती मान ली है और एमिरेट्स आईसीसी अंतर्राष्ट्रीय पैनल ऑफ मैच रेफरी के डेविड गिल्बर्ट की सजा को भी स्वीकार कर लिया है। ऐसे में आईसीसी की ओर से किसी औपचारिक सुनवाई की कोई जरूरत नहीं लगी है। इससे पहले मैदानी अंपायर जयरामन मदनगोपाल और शरफुद्दौला इब्ने शाहिद, थर्ड अंपायर नितिन मेनन और चौथे अंपायर के.एन. अनंथापद्मनाभन ने नबी पर आरोप लगाए थे। लेवल 1 के उल्लंघन के लिए आधिकारिक फटकार के अलावा खिलाड़ी की मैच फीस का 50 फीसदी जुर्माना और एक या दो नकारात्मक अंक दिये जाते हैं। अफगानिस्तान की टीम को इस मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे सुपर ओवर में हार का सामना करना पड़ा था।

पीएसएल 2026 सीज़न : स्टीव स्मिथ बने इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी, सियालकोट स्टैलियंस से जुड़े

मुम्बई (एजेंसी)। पाकिस्तान सुपर लीग (PSL) के 11वें सीज़न से पहले हुए मेगा ऑक्शन ने क्रिकेट जगत में सनसनी फैला दी है। ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को सियालकोट स्टैलियंस ने डायरेक्ट साइनिंग के तहत PKR 14 करोड़ (करीब 5 लाख अमेरिकी डॉलर) में अनुबंधित किया, जिससे वह रातोंरात इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए। लीग के प्रारूप में बड़े बदलाव, दो नई फ्रेंचाइजी की एंट्री और ड्राफ्ट की जगह पहली बार ऑक्शन सिस्टम ने इस बार के सीज़न को और भी हाई-प्रोफाइल बना दिया है।

स्टीव स्मिथ की रिकॉर्डतोड़ डील

अनुभवी ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज़ स्टीव स्मिथ को नई टीम सियालकोट स्टैलियंस ने सीधे साइन किया। यह रकम PSL के इतिहास में किसी भी खिलाड़ी को मिली सबसे बड़ी राशि है। स्मिथ, जो टी20 फॉर्मेट में अपनी स्थिरता और मैच कंट्रोल के लिए जाने जाते हैं, 11वें एडिशन में टीम के ब्रांड एंबेसडर और मुख्य बल्लेबाजी स्तंभ की भूमिका निभाएंगे। स्मिथ हाल ही में ऑस्ट्रेलिया की टी20 विश्व कप टीम में चोटिल मिशेल मार्श की जगह लेने के कारण भी चर्चा में रहे। ऐसे में उनका PSL में आना लीग की ग्लोबल अपील को और मजबूत करता है।

ड्राफ्ट से ऑक्शन तक : PSL का बड़ा बदलाव

PSL ने इस सीज़न से ऐतिहासिक बदलाव करते हुए ड्राफ्ट सिस्टम की जगह प्लेयर्स ऑक्शन मॉडल लागू किया है। पिछले दस वर्षों से ड्राफ्ट फॉर्मेट में चल रही लीग अब इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) की तरह बोली-प्रक्रिया के जरिए खिलाड़ियों को चुन रही है। लीग का विस्तार भी हुआ है—अब टीमों की संख्या छह से बढ़कर आठ हो गई है। सियालकोट और हैदराबाद दो नई फ्रेंचाइजी के रूप में शामिल हुई हैं। इससे प्रतियोगिता और व्यावसायिक आकर्षण दोनों में इजाफा होने की उम्मीद है।

ऑक्शन में विदेशी सितारों की चमक

लाहौर में आयोजित ऑक्शन में कई बड़े अंतरराष्ट्रीय नाम शामिल रहे। डेविड वार्नर, एडम ज़म्पा, डेरिल मिशेल, मार्क चैपमैन, मुस्तफिजुर रहमान, डेवोन कॉनवे, रिली रोसौ, तबरेज शमशी, दासुन शनाका, कुसल मेंडिस और मार्नस लाबुशेन जैसे खिलाड़ियों पर फ्रेंचाइजियों ने दिलचस्पी दिखाई। कुल मिलाकर आठों टीमों ने 103 खिलाड़ियों को अपने स्क्वॉड में शामिल किया, जिससे आगामी सीज़न के लिए संतुलित और प्रतिस्पर्धी टीमें तैयार हुई हैं।

नसीम शाह सबसे महंगे पाकिस्तानी खिलाड़ी

तेज़ गेंदबाज़ नसीम शाह इस ऑक्शन में सबसे महंगे पाकिस्तानी खिलाड़ी बने। उन्हें इस्लामाबाद यूनाइटेड ने PKR 8.65 करोड़ में खरीदा। उनके साथ ऑलराउंडर फहीम अशरफ भी उसी टीम में PKR 8.5 करोड़ में शामिल हुए। रिटेंशन में पेशावर जाल्मी ने बाबर आजम को PKR 7 करोड़ में बरकरार रखा, जबकि सबसे महंगा रिटेंशन सैम अयूब रहे, जिन्हें 12.2 करोड़ रुपये में रिटेन किया गया।

नई फ्रेंचाइजी और बड़े निवेश

सियालकोट और हैदराबाद फ्रेंचाइजी के राइट्स विदेशी पाकिस्तानी निवेशकों ने क्रमशः PKR 185,000 करोड़ और PKR 175,000 करोड़ में हासिल किए। नए स्वामित्व ढांचे के बाद मुल्तान सुल्तांस का भी पुनर्गठन हुआ और टीम का नाम बदलकर रावलपिंडी कर दिया गया। यह निवेश दिखाता है कि PSL अब वैश्विक क्रिकेट लीग्स में अपनी मजबूत आर्थिक स्थिति बना रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

सोमालिया में लैंडिंग के दौरान यात्री विमान रनवे से फिसला

मोगादिशु, एजेंसी। सोमालिया की राजधानी मोगादिशु के मुख्य हवाई अड्डे पर एक यात्री विमान आपात लैंडिंग के दौरान रनवे से फिसलकर समुद्र किनारे जा पहुंचा। विमान में करीब 50 लोग सवार बताए गए हैं। शुरुआती जानकारी के मुताबिक टेकऑफ के कुछ समय बाद तकनीकी खराबी आने पर पायलट ने इमरजेंसी लैंडिंग का फैसला लिया। हादसे के बाद तुरंत बचाव अभियान शुरू किया गया। अधिकारियों ने बताया कि विमान ने मोगादिशु के एडेन अब्दुल्ले अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी और वह उत्तरी शहर गालकायो जा रहा था। उड़ान भरने के करीब 15 मिनट बाद तकनीकी समस्या सामने आई। इसके बाद विमान को वापस उतारने की कोशिश की गई। लैंडिंग के दौरान विमान रनवे से आगे निकल गया और हिंद महासागर के किनारे जाकर रुक गया। नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के निदेशक ने स्थानीय मीडिया को बताया कि यात्रियों को सुरक्षित निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। अभी तक किसी के हताहत होने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। संबंधित एयरलाइन स्टार्स्की एविएशन ने तुरंत कोई बयान जारी नहीं किया। घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है।

तुर्किए की छात्रा रुमेइसा ओजतुर्क को अमेरिका से निकाले जाने पर रोक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की एक इमिग्रेशन कोर्ट ने तुर्की की छात्रा रुमेइसा ओजतुर्क को देश से डिपोर्ट करने पर रोक लगा दी है। ओजतुर्क टफ्ट्स विश्वविद्यालय में पीएचडी की छात्रा हैं और बच्चों व सोशल मीडिया के रिश्ते पर शोध कर रही हैं।उनके वकीलों के अनुसार, कोर्ट ने कहा कि होमलैंड सुरक्षा विभाग यह साबित नहीं कर पाया कि ओजतुर्क को अमेरिका से हटाया जाना चाहिए। कोर्ट ने उनके खिलाफ चल रही डिपोर्टेशन की कार्रवाई भी खत्म कर दी है। हालांकि सरकार के पास इस फैसले के खिलाफ अपील करने का विकल्प मौजूद है। ओजतुर्क को पिछले साल मार्च में मैसाचुसेट्स में उनके घर के पास गिरफ्तार किया गया था। उस समय डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन विदेशी छात्रों और फिलिस्तीन समर्थक गतिविधियों में शामिल लोगों पर सख्ती कर रहा था। ओजतुर्क ने इस्राइल और गाजा युद्ध को लेकर अपनी यूनिवर्सिटी की नीति की आलोचना करते हुए एक लेख भी लिखा था। वीडियो में देखा गया था कि नकाबपोश एजेंट्स उन्हें हथकड़ी लगाकर बिना नंबर की गाड़ी में ले गए। बाद में एक फेडरल जज ने कहा कि उनके मामले में अभिव्यक्ति की आजादी और कानूनी प्रक्रिया से जुड़े गंभीर सवाल हैं। ओजतुर्क ने कहा कि यह फैसला अन्य पीड़ितों के लिए उम्मीद की किरण है।

अल्बानिया की राजधानी में सरकार विरोधी प्रदर्शन हिंसक

तिराना, एजेंसी। अल्बानिया की राजधानी तिराना में मंगलवार रात सरकार विरोधी प्रदर्शन हिंसक हो गया। हजारों प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्रीएडी राम के इस्तीफे की मांग की। पुलिस ने हालात काबू में करने के लिए आंसू गैस और पानी की बौछार का इस्तेमाल किया। पुलिस के अनुसार, 16 प्रदर्शनकारियों को जलने और अन्य चोटों के इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि 13 लोगों को गिरफ्तार किया गया। प्रदर्शनकारियों ने मोलोटोव कॉकटेल और फ्लेयर फेंके थे। यह विरोध प्रदर्शन उप प्रधानमंत्री बेलिंडा बल्लुकु पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर हुआ। उन पर निर्माण परियोजनाओं में गड़बड़ी के आरोप हैं और अभियोजकों ने उनकी संसदीय छूट हटाने की मांग की है। विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता साली बेरिशा ने इसे शांतिपूर्ण आंदोलन बताया, जबकि राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि इससे बड़े बदलाव की संभावना कम है। अल्बानिया यूरोपीय संघ में शामिल होने की कोशिश कर रहा है, लेकिन भ्रष्टाचार अब भी बड़ी चुनौती बना हुआ है।

नेपाल में तमाकोशी नदी में गिरी बस, 12 लोगों की मौत

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के बागमती प्रांत में यात्रियों से भरी एक बस के तमाकोशी नदी में गिरने से 12 लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। यह हादसा मंगलवार सुबह उस वक्त हुआ, जब बस काठमांडू से ओखलढुंगा जा रही थी। रामेछाप नगरपालिका के लीलाउती के पास बस अचानक नदी में गिर गई और चीख-पुकार मच गई। हादसे के बाद पुलिस ने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर बचाव अभियान चलाया। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

ईरान मुद्दे पर ट्रंप से मिलेंगे नेतन्याहू, परमाणु वार्ता पर रखेंगे पक्ष; अन्य मुद्दों पर भी चर्चा

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव जारी है। हाल ही में ओमान में दोनों देशों के बीच पर परमाणु समझौते पर पहले दौर पर बैठक बेनतीजा रही। हालांकि आने वाले दिनों में फिर से वार्ता की जाएगी। इस बीच इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात करने वाले हैं। जिसकी जानकारी व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने दी। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस्राइली पीएम नेतन्याहू से मुलाकात करेंगे। इस बैठक में मुख्य रूप से ऊर्जा नीति और नियमों में ढील (डीरेगुलेशन) पर चर्चा होने की संभावना है। प्रेस ब्रीफिंग के दौरान लेविट ने यह भी घोषणा की है कि राष्ट्रपति ट्रंप साल 2009 में ओबामा प्रशासन के दौरान किए गए 'एंडेंजमेंट फाइंडिंग' (खतरा निर्धारण) को रद्द करने जा रहे हैं। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा, 'राष्ट्रपति इस्राइली पीएम नेतन्याहू के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। इस सप्ताह का बाकी समय ऊर्जा और डीरिगुलेशन पर केंद्रित रहेगा। गुरुवार को राष्ट्रपति ट्रंप, प्रशासक ली जेल्डिन के साथ मिलकर 2009 की ओबामा-कालीन एंडेंजमेंट फाइंडिंग को औपचारिक रूप से रद्द करेंगे। यह अमेरिकी

इतिहास की सबसे बड़ी डीरेगुलेशन कार्रवाई होगी, जिससे अमेरिकी नागरिकों को 1.3 ट्रिलियन डॉलर के कठोर नियमों से राहत मिलेगी।'

ट्रंप-एपस्टीन को लेकर क्या बोला व्हाइट हाउस : इसी के साथ व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने कहा, 'राष्ट्रपति हमेशा एक जैसे रहे हैं और उन्होंने जेफरी एपस्टीन को मार-ए-लागो में अपने क्लब से निकाल दिया था, क्योंकि जेफरी एपस्टीन एक घिनौना इंसान था। इन फाइलों में जिन दूसरे लोगों के नाम हैं, उनसे अलग, राष्ट्रपति ट्रंप ने जेफरी एपस्टीन के साथ अपने रिश्ते खत्म कर दिए और साल तक इस बारे में ईमानदार और पारदर्शी रहे। मुझे लगता है कि राष्ट्रपति ने जो भी कहा है, वह हमेशा सच रहा है। जेफरी एपस्टीन और उसके घिनौने, घिनौने अपराधों से जुड़े 30 लाख से ज्यादा दस्तावेज का जारी होना दिखाता है कि इस राष्ट्रपति और प्रशासन ने इन फाइलों को सामने लाने में कितनी पारदर्शिता दिखाई है।'

ईरान मुद्दे पर ट्रंप से बात करेंगे नेतन्याहू : मंगलवार को वॉशिंगटन रवाना होते समय नेतन्याहू ने कहा कि वे ट्रंप से मुलाकात में ईरान के साथ अमेरिका की परमाणु वार्ता पर अपना रुख रखेंगे। 'द टाइम्स ऑफ इस्राइल' के अनुसार उड़ान भरने से पहले नेतन्याहू ने मीडिया से कहा, 'मैं राष्ट्रपति के सामने वार्ता को लेकर अपने सिद्धांतों और दृष्टिकोण को पेश करूंगा।' उन्होंने आगे कहा कि ये सिद्धांत न सिर्फ इस्राइल के लिए बल्कि दुनिया के हर उस देश के लिए अहम हैं, जो शांति और सुरक्षा चाहता है। रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप प्रशासन गुरुवार को उस वैज्ञानिक निर्णय को औपचारिक रूप से रद्द करने जा रहा है, जिसके आधार पर अमेरिका में ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को नियंत्रित करने का अधिकार सरकार को मिला था। फ्रांस 24 की रिपोर्ट के अनुसार पर्यावरण संरक्षण एजेंसी (थ्रक्क) ने पिछले साल 2009 की एंडेंजमेंट फाइंडिंग को पलटने का प्रस्ताव रखा था, जिसे जलवायु कार्रवाई के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। यह फैसला पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के कार्यकाल में लिया गया था, जिसमें कहा गया था कि कार्बन डाइऑक्साइड और मीथेन सहित छह ग्रीनहाउस गैसें मानव स्वास्थ्य और कल्याण के लिए खतरा हैं और जलवायु परिवर्तन को बढ़ावा देती हैं। यह निर्णय 2007 के सुप्रीम कोर्ट के फैसले, मैसाचुसेट्स बनाम ईपीए, पर आधारित था, जिसमें यह फैसला सुनाया गया था कि ग्रीनहाउस गैसें स्वच्छ वायु अधिनियम के तहत प्रदूषक हैं और ईपीए को यह निर्धारित करने का निर्देश दिया गया था कि क्या वे सार्वजनिक स्वास्थ्य और कल्याण के लिए खतरा पैदा करती हैं।

एयरस्पेस दिया, पोर्ट दिया, अमेरिका के लिए क्या नहीं किया हमें टॉयलेट पेपर की तरह यूज कर फेंक दिया: पाक रक्षा मंत्री

इस्लामाबाद, एजेंसी। पिछले दिनों पाकिस्तान और अमेरिका की दोस्ती काफी चर्चा में रही। लेकिन लगता है अमेरिका को लेकर पाकिस्तान के रुख में फिर से बदलाव आ रहा है। इस बात के संकेत मिले हैं पाकिस्तानी रक्षा मंत्री के बयान से। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने अमेरिका को लेकर चौंकाने वाला बयान दिया है। उन्होंने अमेरिका पर पाकिस्तान का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने यह बयान पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में दिया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने पाकिस्तान का टॉयलेट पेपर की तरह इस्तेमाल किया। जब उसका काम निकल गया तो उसने हमें फेंक दिया।

जियाउल हक और परवेज मुशर्रफ पर निशाना : अपने इस बयान में ख्वाजा आसिफ ने पाकिस्तान के दो पूर्व सेना प्रमुखों को भी निशाने पर लिया है। उन्होंने जनरल जियाउल हक और परवेज मुशर्रफ को नाम लेते हुए उन्हें इसका जिम्मेदार बताया। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने संसद में बोलते हुए कहाकि 1980 के दशक में अफगानिस्तान में रूस के खिलाफ विद्रोह हुआ जो अमेरिका के इशारे पर किया गया। उस वक्त पाकिस्तानी हुकूमत ने अपने हित को देखते हुए इसमें अपने लोगों को शामिल कर लिया, जो बड़ी गलती थी। उन्होंने आगे कहाकि हकीकत में यह जिहाद नहीं था, जिसे जिहाद का नाम दे दिया गया। रूस ने

अफगानिस्तान पर कोई कब्जा नहीं किया था, बल्कि तब की सरकार ने रूस को बुलाया था। हमें इस जंग में शामिल ही नहीं होना चाहिए था। पाकिस्तानी रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ नेशनल असेंबली में कह रहे हैं कि अफगानिस्तान की जमीन पर लड़ी गई दो जंगों में मजहब या इस्लाम के लिए शिरकत नहीं की थी। हमने इन जंगों में सिर्फ इसलिए शिरकत की क्योंकि दोनों तानाशाहों को मान्यता चाहिए थी और एक सुपरपॉवर की तारीफ चाहिए थी। ख्वाजा आसिफ ने कहाकि उसके लिए हमने अपना करिकुलम तक बदल दिया और आज तक यह करिकुलम बहाल नहीं हो पाया। उन्होंने कहा कि अमेरिका को खुश करने के लिए हमने अपने इतिहास तक को फिर से लिख डाला। लेकिन इसका नतीजा क्या हुआ? पाकिस्तानी रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ यहीं नहीं रुके। उन्होंने साल 2001 का भी जिक्र किया। आसिफ ने कहाकि साल 2001 में भी हमने गलती की। अमेरिका का साथ देने के लिए हम तालिबान के खिलाफ हो गए। अमेरिका तो वहां से चला गया, लेकिन नुकसान हमने उठाया।

दो प्रदर्शनकारियों की मौत के बाद बवाल, ICE प्रमुख ने यूएस कांग्रेस के सामने किया अपने अधिकारियों का बचाव

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की सख्त आव्रजन नीति के खिलाफ डेमोक्रेट्स और आम लोगों में गुस्सा है। इस बीच आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) प्रमुख टॉड लायन्स कांग्रेस (अमेरिकी संसद) के सामने पेश हुए, जहां उन्होंने अपने अधिकारियों की कार्रवाई का बचाव किया। इसी के साथ लायन्स ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सामूहिक निर्वासन (डिपोर्टेशन) नीति को लागू करते समय उनके अधिकारी किसी भी तरह के दबाव या डर से पीछे नहीं हटेंगे। टॉड लायन्स उन तीन एजेंसी प्रमुखों में शामिल थे, जिन्हें दो अमेरिकी नागरिकों की संघीय अधिकारियों की गोलीबारी में मौत के बाद संसद में बुलाया गया। इस सुनवाई के दौरान डेमोक्रेट सांसदों ने कड़े सवाल किए, जबकि ज्यादातर रिपब्लिकन सांसदों ने एजेंसियों का समर्थन किया। इस दौरान लायन्स ने कहा, 'जो लोग सोचते हैं कि वे हमें डरा सकते हैं, उन्हें मैं साफ संदेश देना चाहता हूं, वे असफल होंगे। हम अभी शुरुआत कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि अधिकारियों के खिलाफ बढ़ती बयानबाजी

और विरोध प्रदर्शनों से उनके कर्मचारियों की जान खतरे में पड़ी है। हालांकि, उन्होंने दोनों मौतों पर सीधे टिप्पणी करने से कई बार परहेज किया, लेकिन उन्होंने कहा कि उनके अधिकारी पीछे नहीं हटेंगे। दरअसल, हाल के हफ्तों में विशेषकर मिनियापोलिस में हुई गोलीबारी में हुई मौतों के बाद, ट्रंप के आव्रजन अभियान की गहन जांच-पड़ताल की गई है। एजेंसियों को उन नीतियों के लिए भी आलोचना का सामना करना पड़ा है, जिनके बारे में आलोचकों का कहना है कि वे गिरफ्तारी का सामना कर रहे प्रवासियों और इन कार्रवाइयों का विरोध कर रहे अमेरिकियों, दोनों के अधिकारों का हनन करती हैं। मंगलवार की गवाही से ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की इस प्रमुख नीति को लेकर पनप रहे तनाव को शांत करने की संभावना कम ही है।

बीएनपी ने की मतदान केंद्रों पर फजर की नमाज पढ़ने की अपील

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में 12 फरवरी 2026 को होने वाले आम चुनाव से ठीक पहले बीएनपी (बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी) के प्रमुख तारिक रहमान ने अपने समर्थकों और कार्यकर्ताओं से एक अनोखी अपील की है। उन्होंने कहा है कि चुनाव के दिन मतदान केंद्रों पर पहुंचकर फजर की नमाज अदा करें और वहां से वोटों की गिनती पूरी होने तक न हटें। बीएनपी प्रमुख के इस अपील के बाद चर्चाओं के बाजार गरम है, और लोग कई तरह के कयास लगा रहे हैं। लोग ये भी जानना चाहते हैं कि अखिर बीएनपी प्रमुख ने इस तरह की अपील क्यों की? ढाका के जात्राबारी में रैली में तारिक रहमान ने कहा कि मतदान केंद्र पर जाएं और वहां फजर की नमाज अदा करें। वहीं रुकें ताकि कोई साजिश न रच सके। वोट डालना काफी नहीं है। वोट डालने के बाद मत जाइए। सुनिश्चित करें कि वोटों की सही गिनती हो। उन्होंने आगे कहा कि कई लोग कहते हैं कि फजर के बाद लाइन में

लगें। मैं कहता हूं कि इस बार जल्दी उठें, तहज्जुद पढ़ें और फिर मतदान केंद्र जाएं। बता दें कि फजर की नमाज सुबह की अनिवार्य प्रार्थना है, जबकि तहज्जुद रात की स्वैच्छिक नमाज है, जो मुश्किल समय में ईश्वर से मदद मांगने से जुड़ी होती है।

इस अपील के पीछे मुख्य मकसद : दरअसल, बांग्लादेश में चुनाव से पहले हिंसा की कई घटनाएं हो चुकी हैं, जैसे मतदान केंद्रों में आगजनी, हथियारों के साथ गिरफ्तारियां, और राजनीतिक हत्याएं हो चुकी है। कहा तो ये भी जा रहा है कि पुलिस की कमी के कारण कानून-व्यवस्था बहुत ही खराब है। आरोप लगाए जा रहे हैं कि अंतरिम सरकार (मोहम्मद यूनुस) के तहत पुलिस बल कमजोर है, जिससे केंद्रों पर कब्जे या गड़बड़ी की आशंका बढ़ गई है। बताया जा रहा है कि बीएनपी को संस्थाओं पर पूरा भरोसा नहीं है, इसलिए समर्थकों से कहा जा रहा है कि वे सुबह जल्दी पहुंचकर पूरे दिन मौजूद रहें। बता दें कि पुलिस-प्रशासन ने लगभग 24000 मतदान केंद्रों (कुल 42779 में से आधे) को उच्च या मध्यम जोखिम वाला बताया है।

गौरतलब है कि शेख हसीना के विरोध प्रदर्शनों के बाद पुलिस बल कमजोर हुआ है। यूनुस की अंतरिम सरकार हिंसा रोकने और सुधारों में नाकाम रही है। ह्यूमन राइट्स वॉच की रिपोर्ट में कहा गया कि मनमानी गिरफ्तारियां जारी हैं और राजनीतिक गतिविधियों पर प्रतिबंध हैं। नोआखली और पटुआखली में हिंसा से 39 लोग घायल हुए। नेत्रकोना में पांच संस्थानों में आग लगाई गई।

भोला में तलवारें लहराकर मतदाताओं को डराया गया। केरानीगंज में एक बीएनपी नेता की गोली मारकर हत्या हुई। मानवाधिकार समूह ऐन ओ सालिश केंद्र के अनुसार, जनवरी 2026 में राजनीतिक हिंसा की घटनाएं दिसंबर की तुलना में तीन गुना बढ़ी है। 75 घटनाओं में 616 घायल और 11 मौतें हुईं।

ट्रंप अपनी ही पार्टी के सांसदों से घिरे, चुनाव में धांधली की जांच में दखल पर कटघरे में राष्ट्रपति

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से 2020 के चुनाव नतीजों को पलटने की कोशिशों की जांच को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। रिपब्लिकन सांसदों ने आरोप लगाया है कि जांच के दौरान कुछ मौजूदा सांसदों के फोन रिकॉर्ड हासिल करने के लिए हद से ज्यादा दखल देने वाले तरीके अपनाए गए। मंगलवार को सीनेट की एक सुनवाई में रिपब्लिकन नेताओं ने बड़ी टेलीकॉम कंपनियों से सवाल किए कि उन्होंने अभियोजकों को सांसदों के फोन रिकॉर्ड क्यों दिए? मामले में रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने कहा कि अगर ऐसा किसी डेमोक्रेट सांसद के साथ होता, तो यह दुनिया भर की सुर्खियां बनता। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि मेरे साथ जो हुआ, मैं उसका हकदार था। जांच के दौरान अभियोजकों ने उन सांसदों के कॉल रिकॉर्ड लिए थे, जिनसे ट्रंप ने 6 जनवरी 2021 को संपर्क किया था। उस दिन कांग्रेस में जो बाइडन की जीत की पुष्टि हो रही थी। हालांकि, अधिकारियों ने साफ किया कि रिकॉर्ड में सिर्फ यह जानकारी थी कि कॉल कब हुई और कितनी देर चली। बातचीत की सामग्री रिकॉर्ड नहीं की गई थी।

20 रिपब्लिकन सांसदों के रिकॉर्ड मांगे गए : सीनेट न्यायिक समिति के अध्यक्ष चक ग्रासले ने बताया कि कुल मिलाकर 20 मौजूदा या पूर्व रिपब्लिकन सांसदों के फोन रिकॉर्ड के लिए समन जारी किए गए थे। वहीं डेमोक्रेट सांसदों ने रिपब्लिकन नेताओं की नाराजगी को गलत बताया। उनका कहना है कि 6 जनवरी 2021 को ट्रंप समर्थकों ने कैपिटल भवन पर हमला किया था, जो लोकतंत्र पर बड़ा हमला था। ऐसे में यह जांच जरूरी था। डेमोक्रेट सीनेटर शेल्डन व्हाइटहाउस ने कहा कि न्याय विभाग की जांच, कैपिटल पर हुए हमले से ज्यादा गंभीर नहीं थी। वहीं पूर्व संघीय अभियोजक माइकल रोमानो ने भी कहा कि फोन कॉल के रिकॉर्ड जुटाना किसी भी आपराधिक जांच में सामान्य प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि सरकार की तरफ से रिकॉर्ड जुटाए जाने से कोई नुकसान नहीं हुआ। टेलीकॉम कंपनियों के वकीलों ने सुनवाई में कहा कि उन्होंने सिर्फ कानून का पालन किया। वेरिजोन कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी क्रिस मिलर ने कहा कि हमें कानून के तहत यह जानकारी देने के लिए बाध्य किया गया था। हम वैध कोर्ट ऑर्डर को नजरअंदाज नहीं कर सकते। उन्होंने यह भी बताया कि समन में यह नहीं बताया गया था कि ये नंबर सांसदों के हैं। साथ ही, कोर्ट के आदेश के कारण कंपनी संबंधित नेताओं को पहले से सूचना भी नहीं दे सकती थी। इसके साथ ही टी-मोबाइल और एटीएंडटी ने भी इसी तरह का बयान दिया।

सोशल मीडिया की लत पर ऐतिहासिक मुकदमा, बच्चों को नुकसान के लिए मेटा-यूट्यूब को जिम्मेदार ठहराने की मांग

वॉशिंगटन, एजेंसी। बच्चों और किशोरों में सोशल मीडिया की बढ़ती लत को लेकर अमेरिका में बड़ा कानूनी मोर्चा खुल गया है। लॉस एंजिलिस में एक ऐतिहासिक मुकदमे की शुरुआती सुनवाई हुई, जिसमें आरोप लगाया गया कि बड़े सोशल मीडिया मंच जानबूझकर बच्चों को स्क्रीन का आदी बना रहे हैं। इस मामले में इंस्टाग्राम की मालिक कंपनी मेटा और गूगल के यूट्यूब को बच्चों को हुए मानसिक और व्यवहारिक नुकसान के लिए जिम्मेदार ठहराने की मांग उठी है। सुनवाई के दौरान वादी पक्ष के वकील मार्क लैनियर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की तुलना कैसीनो और नशे की लत से की। उन्होंने कहा कि इन प्लेटफॉर्म का डिजाइन ऐसा बनाया गया है कि बच्चे ज्यादा से ज्यादा समय तक जुड़े रहें। मुकदमे में दावा किया गया कि एल्गोरिदम, ऑटो-प्ले, अनंत स्क्रोल और रिवार्ड पैटर्न जैसे फीचर लत पैदा करने वाले तरीके से तैयार किए गए।

डिजाइन से लत लगाने का आरोप : वादी पक्ष ने अदालत में कहा कि मेटा और यूट्यूब ने ऐसे डिजाइन विकल्प अपनाए जो बच्चों को बार-बार प्लेटफॉर्म पर लौटने के लिए उकसाते हैं। आरोप है कि यह केवल तकनीकी सुविधा नहीं बल्कि सोच-समझकर बनाई गई रणनीति है। पहले इस मुकदमे में टिकटॉक और स्नैप का नाम भी शामिल था, लेकिन दोनों कंपनियों ने अज्ञात राशि पर समझौता कर लिया। अब मुख्य सुनवाई मेटा और यूट्यूब पर केंद्रित है।

कंपनियों का जवाब और वैज्ञानिक बहस : मेटा की ओर से पेश वकील पॉल श्मिट ने अदालत में कहा कि सोशल मीडिया लत पर वैज्ञानिक समुदाय में एक राय नहीं है। उन्होंने तर्क दिया कि लत का दावा अभी भी बहस का विषय है। यूट्यूब की ओर से वकील ने भी अपने प्रारंभिक जवाब की तैयारी की। अदालत में दोनों पक्षों के बीच प्लेटफॉर्म के असर और जिम्मेदारी को लेकर तीखी बहस देखने को मिली।

आंतरिक दस्तावेजों का हवाला : वादी पक्ष के वकील ने गूगल और मेटा के आंतरिक दस्तावेज और ईमेल का भी जिक्र किया। अदालत में बताया गया कि कुछ आंतरिक नोट्स में उत्पादों की तुलना कैसीनो मॉडल से की गई थी। मेटा कर्मचारियों के बीच संवाद का हवाला देते हुए कहा गया कि इंस्टाग्राम को नशे जैसा बताया गया था। वकील ने सोशल मीडिया कंपनियों की तुलना तंबाकू कंपनियों से भी की।

बच्चों की मानसिक कमजोरी पर फोकस : सुनवाई में यह भी कहा गया कि कंपनियों को पता था कि तनाव और भावनात्मक दबाव झेल रहे बच्चे लत के प्रति ज्यादा संवेदनशील होते हैं। एक आंतरिक शोध का जिक्र करते हुए बताया गया कि किशोरों और उनके माता-पिता पर सर्वे में यह बात सामने आई थी। आरोप है कि कंपनियों ने इन जानकारियों के बावजूद डिजाइन नहीं बदला। मुकदमे को बच्चों की डिजिटल सुरक्षा से जुड़ा बड़ा कानूनी परीक्षण माना जा रहा है।

कनाडा के स्कूल में गोलीबारी, शूटर समेत 9 की मौत

ओटावा, एजेंसी। कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत के टम्बलर रिज शहर में मंगलवार को एक हाईस्कूल में गोलीबारी हुई। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक इस घटना में 9 लोगों की मौत हो गई, जबकि 25 घायल हैं। अभी तक ये जानकारी नहीं आई है कि मरने वालों में कोई छात्र है या नहीं। स्कूल को एहतियातन बंद कर दिया गया है। इलाके के विधायक लैरी न्यूफेल्ड ने बताया कि हालात काबू में करने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस और एंबुलेंस की टीमें मौके पर भेजी गई हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि जो लोग अपने परिवार वालों को ढूंढने के लिए बाहर निकल आए हैं, वे घर लौट जाएं। वहीं कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने इस गोलीबारी के बाद अपना जर्मनी दौरा रद्द कर दिया है। सरकारी वेबसाइट के मुताबिक, हादसे वाले टम्बलर रिज सेकेंडरी स्कूल में 7 से 12 क्लास तक के कुल 175 छात्र पढ़ते हैं। संदिग्ध महिला ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या की रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस ने बताया कि संदिग्ध एक महिला थी, जिसने स्कूल ड्रेस पहन रखी थी और उसके बाल भूरे थे। उसका शव स्कूल के अंदर मिला। पुलिस का मानना है कि उसने खुद को गोली मारी है। पुलिस के अनुसार, दोपहर करीब 1 बजकर 20 मिनट (भारतीय समयानुसार रात करीब 2 बजे) पर स्कूल में गोलीबारी की खबर मिली थी। जब अधिकारी हाई स्कूल पहुंचे तो वहां छह लोग मृत मिले। एक अन्य घायल की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। इसके अलावा, पास के एक घर में दो और लोगों के शव मिले। प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने सोशल मीडिया पर कहा कि वह इस घटना से बेहद दुखी हैं। उन्होंने पीड़ित परिवारों के लिए संवेदना जताई और राहतकर्मियों की तारीफ की।

छात्रों और स्टाफ को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया : हमलावर के अलावा छह और लोग स्कूल के अंदर मृत मिले। दो घायलों को गंभीर हालत में हेलीकॉप्टर से अस्पताल भेजा गया। एक अन्य व्यक्ति की अस्पताल ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। करीब 25 लोगों को हल्की चोटों के साथ स्थानीय मेडिकल सेंटर में इलाज के लिए ले जाया गया। पुलिस अधिकारी केन फ्लॉयड ने बताया कि स्कूल से लगभग 100 छात्रों और स्टाफ को सुरक्षित बाहर निकाला गया। गोलीबारी की वजह अभी साफ नहीं है।

हादसे वाली जगह पर इमरजेंसी अलर्ट खत्म : ब्रिटिश कोलंबिया की पब्लिक सेफ्टी मंत्री और सॉलिसिटर जनरल नीना क्रिगर ने इस गोलीबारी को 'दिल दहला देने वाला बताया है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार लोगों की मदद के लिए हर संभव मदद करेगी। क्रिगर ने कहा कि आरसीएमपी ने टम्बलर रिज में जारी इमरजेंसी अलर्ट खत्म कर दिया है। पुलिस का मानना है कि अब कोई अन्य संदिग्ध फरार नहीं है और आम लोगों के लिए कोई खतरा नहीं है। इस बीच, टम्बलर रिज के एलीमेंट्री और सेकेंडरी स्कूलों को इस हफ्ते के लिए बंद करने का फैसला लिया गया है। स्कूल डिस्ट्रिक्ट ने ऑनलाइन जारी बयान में कहा कि इस दुखद घटना के कारण दोनों स्कूल पूरे हफ्ते बंद रहेंगे।

स्कूलों में बढ़ाई गई सुरक्षा व्यवस्था : पीस रिवर साउथ स्कूल डिस्ट्रिक्ट ने बताया कि टम्बलर रिज सेकेंडरी स्कूल और टम्बलर रिज एलीमेंट्री स्कूल को पूरी तरह बंद कर दिया गया है। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था भी बढ़ाई गई है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लैम्बोर्गिनी कार हादसा : आरोपी शिवम मिश्रा गिरफ्तार, कानपुर पुलिस ने कोर्ट में किया पेश

कानपुर (एजेंसी)। शहर की सड़कों पर फर्राटा भरती रफ्तार आखिरकार कानून के स्पीड ब्रेकर से टकरा ही गई। ग्वालटोली की वीआईपी रोड पर हुए लैंबोर्गिनी हादसे के आरोपी शिवम मिश्रा को पुलिस ने गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर दिया। तेज रफ्तार कार से छह लोगों को घायल करने वाली यह घटना अब 'हाई-प्रोफाइल रफ्तार बनाम आम सड़क' की कहानी बन गई है। हादसे के बाद आरोपी के पिता ने बेटे के दिल्ली में इलाज का दावा किया, लेकिन पुलिस की 'लोकेशन सर्विस' कुछ और ही बता रही थी। करीब 90 घंटे की तलाश के बाद स्पेशल टीम ने शिवम को कानपुर से ही पकड़ लिया। इस बीच शहर में चर्चा यही रही कि रफ्तार भले ही सुपरकार की हो, गिरफ्तारी लोकल ही होती है। चश्मदीदों के मुताबिक, कार ने पहले ऑटो को टक्कर मारी, फिर मोटरसाइकिल से जा भिड़ी और एक सवार हवा में उछल गया। हादसे ने एक बार फिर सवाल उठाया है क्या, महंगी गाड़ी के साथ सड़क पर 'अतिरिक्त अधिकार' भी मिल जाते हैं? जवाब साफ है- ट्रैफिक नियमों में ब्रांड का कोई कॉलम नहीं होता। पुलिस कमिश्नर के नेतृत्व में कार्रवाई तेज रही। मेडिकल परीक्षण के बाद आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया।

महाशिवरात्रि पर दरगाह में पूजा रोकने की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट का सुनवाई से इंकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कर्नाटक की लाडले मशक दरगाह परिसर में पूजा की रोक वाली याचिका पर सुनवाई से इंकार किया। याचिका में महाशिवरात्री पर होने वाली पूजा पर रोक लगाने की मांग की हुई थी। यह दरगाह 14वीं सदी के सूफी संत और 15वीं सदी के हिंदू संत राघव चैतन्य से जुड़ी मानी जाती है। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने कहा कि मामला कर्नाटक हाईकोर्ट में लंबित है इसलिए संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत याचिका दायर नहीं की जा सकती। इससे पहले फरवरी 2025 में कर्नाटक हाईकोर्ट ने 15 हिंदू श्रद्धालुओं को महाशिवरात्रि के अवसर पर राघव चैतन्य शिवलिंग पर पूजा की अनुमति दी थी। 2022 में इस स्थल को लेकर विवाद हुआ था।

मध्य प्रदेश के सिंगरौली में जादू-टोना के शक में दो की हत्या, हिरासत में आरोपी

सिंगरौली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले से रोंगटे खड़े कर देने वाली खबर आई है। जहां जादू-टोने के शक में दो लोगों की हत्या की गई है। वहीं, दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने हत्याकांड को अंजाम देने वाले आरोपी को हिरासत में लिया है। पुलिस ने घटनास्थल पर चबूतरे पर एक साथ कई नारियल और कुल्हाड़ी बरामद की है। पुलिस के अनुसार अंतरवा गांव में छत्रपति सिंह की शादी के बाद संतान नहीं थी और पत्नी को गर्भपात हो गया था। इसके लिए वह पड़ोसी केवल सिंह और फूलमती को जिम्मेदार मानता था। उसका कहना था कि इन दोनों के जादू-टोना करने के चलते वह पिता नहीं बन पा रहा है। इस बात को लेकर छत्रपति ने केवल सिंह और फूलमती पर कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला किया। इस दौरान दो लोग बीच बचाव के लिए आए, तब उन पर भी छत्रपति ने हमला किया। परिणाम स्वरूप केवल सिंह और फूलमती की मौत हो गई है, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों का अस्पताल में इलाज जारी है। वहीं, गांव के लोगों का कहना है कि छत्रपति शादी के बाद जब पिता नहीं बना और पत्नी को गर्भपात हो गया। वह इसके लिए पड़ोसियों पर आरोप लगाता था। छत्रपति को शक था कि पड़ोसियों ने जादू-टोना किया है। इस वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी छत्रपति सिंह ने अपने को एक मकान में कैद कर लिया। पुलिस को जब इस बात की सूचना मिली तो मौके पर पहुंचकर काफी मशक्कत के बाद उसे हिरासत में लिया गया।

3 बहनों की खुदकुशी के मामले में आया नया मोड़, पुलिस ने बरामद किया पिता का फोन

गाजियाबाद (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के गाजियाबाद के इंदिरापुरम इलाके में तीन सगी बहनों द्वारा 9वीं मंजिल से कूदकर जान देने के मामले में पुलिस की जांच अब एक महत्वपूर्ण मोड़ पर पहुंच गई है। पुलिस ने वह मोबाइल फोन बरामद किया है, जो कि लड़कियों के पिता चेतन कुमार ने घटना से करीब 15 दिन पहले दिल्ली के शालीमार गार्डन में एक दुकानदार को बेच दिया था। पुलिस उपायुक्त (ट्रांस हिंडन) निमिष पाटिल के अनुसार, मोबाइल का डेटा रिकवर करना जांच के लिए सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। शुरुआती बयानों से संकेत मिले हैं कि 16 वर्षीय निशिका, 14 वर्षीय प्राची और 12 वर्षीय पाखी किसी ऑनलाइन कोरियन गेम की आदी थीं। पिता का दावा है कि ये लड़कियां पिछले 3 साल से इस गेम में इस कदर डूबी हुई थीं कि उन्होंने स्कूल जाना भी छोड़ दिया था। पुलिस अब फॉरेंसिक जांच के जरिए यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या यह कोई टास्क-आधारित गेम था जिसने उन्हें इस आत्मघाती कदम के लिए उकसाया। घटनास्थल से मिली 9 पन्नों की एक डायरी ने इस त्रासदी के पीछे के पारिवारिक तनाव और सांस्कृतिक टकराव को उजागर किया है। डायरी से मिली मुख्य बातें निम्नलिखित हैं कि लड़कियों ने बार-बार लिखा कि वे कोरियन संस्कृति से प्यार करती हैं और इस अपनी जिंदगी मानती थीं। डायरी के अनुसार, परिवार उन पर कोरियन प्रभाव छोड़ने और भारतीय रीति-रिवाजों को अपनाने का दबाव बना रहा था। पिता द्वारा फोन बेचे जाने के बाद लड़कियां गहरी निराशा में थीं। उनका अपने ऑनलाइन कोरियन दोस्तों से संपर्क टूट गया था। डायरी में मारपीट और सख्त सजा का भी जिक्र है। लड़कियों ने आखिरी संदेश में लिखा, आपकी मार से हमारे लिए मौत बेहतर है... सॉरी पापा।

फिलहाल पुलिस मोबाइल डेटा और डायरी के पन्नों का मिलान कर रही है। हालांकि शुरुआती जांच में किसी विशिष्ट सुसाइड ऐप के ठोस सबूत नहीं मिले हैं, लेकिन फोन की फॉरेंसिक रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि इस दर्दनाक कदम के पीछे असली वजह ऑनलाइन गेमिंग थी या घरेलू परिस्थितियां। 4 फरवरी को हुई इस घटना ने डिजिटल युग में बच्चों की मानसिक स्थिति और माता-पिता के साथ उनके संवाद की कमी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

हर क्षेत्र में निर्णय उसी क्षेत्र के विशेषज्ञों को लेने चाहिए : मोहन भागवत

नागपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने एक अलग और सशक्त वेटरिनरी कार्उंसिल के गठन की पैरवी कर दी। उन्होंने कहा कि जानवरों और जनसुरक्षा से जुड़े फैसले वेटरिनरी डॉक्टरों और विषय-विशेषज्ञों के निर्देश पर तय होने चाहिए। संघ प्रमुख भागवत नागपुर में इंडियन सोसायटी फॉर एडवांसमेंट ऑफ कैनाइन प्रैक्टिस (आईएसएसीपी) के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। अपने संबोधन की शुरुआत में आरएसएस प्रमुख भागवत ने कहा, मैंने इसी कॉलेज में पढ़ाई की है। हालांकि मुझे वेटरिनरी क्षेत्र छोड़े 50 साल हो चुके हैं। ऐसा नहीं कि मुझे कुछ याद नहीं, लेकिन आप लोगों जितना ज्ञान अब मेरे पास नहीं है। फिर भी पूर्व छात्र के रूप में आपने मुझे बुलाया, इसके लिए मैं उनका बहुत आभारी हूं।

उन्होंने कहा कि भारत जैसे कृषि-आधारित देश को तब तक लाभ मिलता रहा, जब तक किसान खेती के साथ पशुपालन और मत्स्य पालन भी करते रहे। भागवत ने वेटरिनरी पेशे के दायरे को सीमित मनाने की सोच को गलत बताकर कहा, पहले माना जाता था कि वेटरिनरी डॉक्टरों की भूमिका सीमित है, लेकिन यह सोच सही नहीं है। समाज, जनस्वास्थ्य और नीति निर्माण में उनकी बड़ी भूमिका हो सकती है।

दिल्ली में हाल ही में लावारिस कुत्तों को लेकर हुए विवाद का जिक्र कर भागवत ने कहा कि बहस दो चरम सीमाओं में बंट गई थी, एक पक्ष कह रहा था कि सभी कुत्तों को मार दो, दूसरा कह रहा था कि उन्हें छुओ भी मत। लेकिन अगर इंसानों को कुत्तों के साथ रहना है, तब यह सोचना होगा कि कैसे साथ रहें।

उन्होंने वैज्ञानिक और व्यावहारिक समाधान पर जोर देकर कहा, कुत्तों की संख्या नसबंदी के जरिए नियंत्रित की जा सकती है। इंसानों के लिए जोखिम कम करने के कई उपाय हैं। ये भावनाओं से नहीं, ज्ञान से निकले समाधान हैं। भागवत ने बताया कि उनके विचार उनकी वेटरिनरी पृष्ठभूमि से प्रभावित हैं।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के आश्रम में बच्चों के साथ यौन शोषण का आरोप, स्वामी ने बताया षडयंत्र

प्रयागराज (एजेंसी)। माघ मेले में विवादों में रहे ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को लेकर नया विवाद उठ खड़ा हुआ है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती पर श्री कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति निर्माण ट्रस्ट के अध्यक्ष और शाकुंभरी पीठाधीश्वर आशुतोष ब्रह्मचारी ने उनकी सेवा में लगे आश्रम के बच्चों के साथ यौन शोषण के गंभीर आरोप लगाए हैं। इन आरोपों को लेकर उन्होंने प्रयागराज जिला कोर्ट में 28 जनवरी को 173(4)के तहत कंप्लेंट रजिस्टर करने के लिए अर्जी दाखिल की है। इस अर्जी पर अब तक दो तारीखों पर एडीजे रेप एंड पोक्सो स्पेशल कोर्ट में सुनवाई भी हो चुकी है। इस मामले में वादी आशुतोष ब्रह्मचारी के कोर्ट में बयान दर्ज हो चुके हैं। कोर्ट के आदेश पर प्रयागराज पुलिस भी मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

गौरतलब है श्री कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति निर्माण ट्रस्ट के अध्यक्ष और शाकुंभरी पीठाधीश्वर आशुतोष ब्रह्मचारी ने आरोप लगाया है कि माघ मेले के दौरान एक नाबालिग और एक बालिग बच्चा उनके पास आया था। जिसने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती पर कुकर्म का गंभीर आरोप लगाया था। हालांकि जो बच्चा बालिग हो गया है उसके साथ कुकर्म की घटना उस समय हुई थी, जबकि वह नाबालिग था। आरोप लगाया गया है कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के शिष्य ही इन बच्चों पर गुरु सेवा के नाम पर संबंध बनाने का दबाव बनाते थे। बच्चों को यह समझाते थे कि इससे उन्हें आशीर्वाद मिलेगा। आशुतोष ब्रह्मचारी ने कहा है कि कोर्ट ने इस मामले में झूंसी थाना पुलिस से रिपोर्ट भी मांगी थी। लेकिन कोर्ट पुलिस की रिपोर्ट से संतुष्ट नहीं हुई और कोर्ट ने अगली तारीख 13 फरवरी की लगाई है।

वहीं इस मामले में वाराणसी में मौजूद ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने भी मीडिया से बात कर अपना पक्ष रखा है। उन्होंने आरोप लगाया है कि गाय को राष्ट्रमाता घोषित करने और गौ हत्या बंद करने को लेकर उनके अभियान के चलते उन्हें जानबूझकर फंसाया जा रहा है और उन पर झूठे आरोप लगाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा है कि ऐसे आरोप लगाए जा रहे हैं जिनकी सभ्य समाज में कल्पना नहीं की जा सकती है। लेकिन हम लोगों ने सभी प्रमाण कोर्ट के सामने रख दिए हैं।

पुणे में बंगाल के मजदूर की पीट-पीटकर हत्या, सीएम ममता हुईं दुखी व आक्रोशित

-बोलीं- एक युवक को उसकी भाषा, पहचान और जड़ों की वजह से निशाना बनाया

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने पुणे में हुई बंगाल के मजदूर की हत्या की निंदा की। उन्होंने इस घटना को हेट क्राइम बताते हुए कहा कि किसी राज्य में बाहरी लोगों के प्रति नफरत को हथियार और निर्दोष लोगों को निशाना बनाया जा रहा है। सीएम ममता ने आधिकारिक एक्स हैंडल पर घटना का वीडियो पोस्ट करते हुए गहरा दुख और आक्रोश जताया। उन्होंने पोस्ट में लिखा- मैं शब्दों से परे विचलित हो गई हूं, क्रोधित हूं और आहत हूं। पुरुलिया के बंडवान का 24 साल का प्रवासी मजदूर सुखेन महतो, जो अपने परिवार का इकलौता कमाने वाला था, उसकी पुणे, महाराष्ट्र में बर्बर हत्या कर दी गई। ममता ने कहा कि यह सीधा-सीधा हेट क्राइम है। एक युवा को उसकी भाषा, पहचान और जड़ों की वजह से निशाना बनाया गया, उसे प्रताड़ित किया गया और मार डाला। यह उसी माहौल का नतीजा है, जहां जेनोफोबिया को हथियार बनाया जा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम ममता ने दोषियों की तुरंत गिरफ्तारी और कड़ी से कड़ी सजा की मांग की। सुखेन के परिवार से कहना चाहती हूं कि इस असीम दुख की घड़ी में पूरा बंगाल आपके साथ खड़ा है। न्याय दिलाने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। बता दें यह पहली बार नहीं है जब ममता बनर्जी ने दूसरे राज्यों, खासकर बीजेपी शासित राज्यों में बंगाल के प्रवासी मजदूरों पर हमलों के मुद्दे पर आवाज उठाई है। वह पहले भी देशभर में बंगाली भाषी लोगों के साथ उत्पीड़न के खिलाफ केंद्र सरकार को घेरती रही हैं।

पुलिस के मुताबिक मृतक का नाम सुखेन महतो है और वह पुरुलिया के बंडवान का रहने वाला था। बुधवार दोपहर पुणे के शिकारपुर पुलिस थाने के अंतर्गत कोरेगांव भीमा क्षेत्र से उसका शव मिला था। आरोप है कि उसे बंगाली में बात करने के कारण पीट-पीटकर मार डाला। इस मामले में उसके बड़े भाई तुलसीराम महतो ने शिकारपुर थाने में हत्या की शिकायत दर्ज कराई है। बताया जा रहा है कि सुखेन 2021 से पुणे में प्रवासी मजदूर के रूप में काम कर रहा था। वह कोरेगांव भीमा के पास सनतबाड़ी इलाके में एक कार पार्ट्स निर्माण कंपनी में काम करता था। उसका शव उसी इलाके से बरामद हुआ।

सरमा एक दिन भी मुख्यमंत्री पद पर बने रहने के योग्य नहीं, उनके चुनाव लड़ने पर रोक लगे

एआईयूडीएफ के प्रमुख बदरुद्दीन अजमल ने लगाया आरोप

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा के एक कथित शूटिंग वीडियो को लेकर राज्य की राजनीति में विवाद बढ़ता जा रहा है। ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के प्रमुख बदरुद्दीन अजमल ने सीएम सरमा की तत्काल गिरफ्तारी की मांग कर कहा कि वे एक दिन भी मुख्यमंत्री पद पर बने रहने के योग्य नहीं हैं। उन्होंने अदालत से आग्रह किया कि सरमा को चुनाव लड़ने से भी रोका जाए। अजमल का आरोप है कि पिछले छह महीनों से एक समुदाय विशेष के खिलाफ नफरत भरे भाषण दे रहे हैं। 7 फरवरी को साझा किए गए वीडियो में मुख्यमंत्री दो मुस्लिम व्यक्तियों की ओर राइफल ताने हुए दिखाई दे रहे थे। यह वीडियो बाद में हटा लिया गया, लेकिन विवाद बढ़ गया।

असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) ने भी मामले में दिसपुर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। कांग्रेस का आरोप है कि असम बीजेपी के आधिकारिक 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) हैंडल से साझा किया गया वीडियो भड़काऊ और सांप्रदायिक है। वीडियो में कथित रूप से 'विदेशियों से मुक्त असम, कोई रहम नहीं' और 'तुम पाकिस्तान क्यों नहीं चले गए?' जैसे वाक्य लिखे थे। कांग्रेस का कहना है कि इसतरह के शब्द राज्य के बंगाली मूल के मुसलमानों को निशाना बनाते हैं, जिन्हें अक्सर 'मिया' या 'बांग्लादेशी' कहकर संबोधित किया जाता है। कांग्रेस नेताओं ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। इस मुद्दे पर सीपीआई(एम) नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर मुख्यमंत्री के खिलाफ निर्देश जारी करने की मांग की है। वरिष्ठ वकील ने मामले की त्वरित सुनवाई का अनुरोध किया, जिस पर चीफ जस्टिस ने कहा कि सुनवाई की तारीख दी जाएगी। वहीं एआईएमआईएम प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने भी हैदराबाद में शिकायत दर्ज कर वीडियो को नफरत फैलाने वाला बताया और आपराधिक कार्रवाई की मांग की। वहीं, मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने आरोपों से इंकार कर कहा कि उन्हें वीडियो की जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि उनके खिलाफ मामला दर्ज हुआ है, तब उन्हें

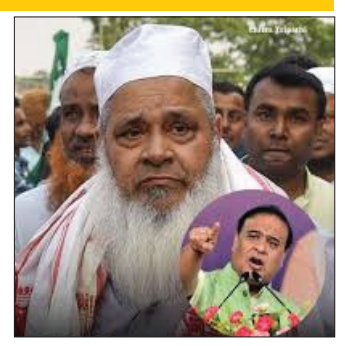

गिरफ्तार किया जा सकता है, उन्हें कोई आपत्ति नहीं है। हालांकि, उन्होंने बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ अपने रुख पर कायम रहने की बात दोहराई।

एआईएमआईएम नेता का हिंदू संगठनों पर तंज.... हिंदू भाई 4 नहीं बल्कि 14 बच्चे पैदा करें

मुजफ्फरनगर (एजेंसी)। एआईएमआईएम (एआईएमएआईएम) के प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली मुजफ्फरनगर पहुंचे, जहां उन्होंने दो नुक्कड़ सभाओं को संबोधित किया। उन्होंने जनसंख्या नियंत्रण के मुद्दे पर कहा कि देश की आबादी बढ़ने से राष्ट्र मजबूत होता है। शौकत अली ने हिंदू संगठनों के चार बच्चे पैदा करने वाले बयानों पर तंज कसते हुए कहा कि हिंदू भाइयों को 4 नहीं बल्कि 14 बच्चे पैदा करने चाहिए। उन्होंने चीन का उदाहरण देकर तर्क दिया कि चीन अपनी विशाल आबादी के कारण ही हमसे अधिक मजबूत है, इसलिए भारत को भी अपनी जनसंख्या बढ़ानी चाहिए। मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद के नाम से हो रहे निर्माण पर शौकत अली ने कहा कि संविधान किसी भी नाम से धार्मिक स्थल बनाने की अनुमति देता है। उन्होंने सवाल किया कि यदि कोई अपने बेटे का नाम बाबर रखकर काम शुरू करे, तब क्या उस लाइसेंस नहीं मिलेगा? शौकत ने आरोप लगाया कि देश में दाढ़ी, टोपी और गौश्त के नाम पर मुसलमानों को निशाना बनाया जा रहा है और मॉब लिंचिंग की घटनाएं बढ़ रही हैं। उनके अनुसार, यदि सरकार को जनसंख्या से आपत्ति है, तब वह हम दो हमारे दो का कानून लेकर आए।

असम में मुस्लिम बहुल जिलों में बढ़े वोटर, आदिवासी क्षेत्रों में घटे, 2.43 लाख नाम हटाए गए

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम में विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के समापन के बाद मंगलवार को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित कर दी गई है। इस नई सूची में बड़े पैमाने पर फेरबदल देखने को मिला है, जहां मसौदा सूची की तुलना में कुल 2.43 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं। यह कमी मसौदा सूची के कुल नामों का लगभग 0.97 प्रतिशत है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, असम के 35 जिलों में से 24 जिलों में मतदाताओं की संख्या में गिरावट दर्ज की गई है, जबकि 11 जिलों में मतदाताओं की संख्या बढ़ी है।

आंकड़ों का विश्लेषण करने पर एक विशिष्ट जनसांख्यिकीय पैटर्न सामने आया है। राज्य के अधिकांश मुस्लिम-बहुल जिलों में मसौदा सूची की तुलना में अंतिम सूची में मतदाताओं की संख्या में वृद्धि देखी गई है। इसके विपरीत, बहुसंख्यक आदिवासी आबादी वाले तीन पहाड़ी जिलों और बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले पांच जिलों में मतदाताओं की संख्या में उल्लेखनीय गिरावट आई है। इसके साथ ही कामरूप और गुवाहाटी शहर वाले कामरूप

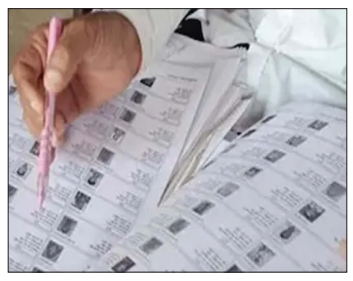

(मेट्रोपॉलिटन) जिलों में भी मतदाताओं की संख्या कम हुई है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनुराग गोयल ने स्पष्ट किया कि अधिकारियों ने एक त्रुटि मुक्त मतदाता सूची सुनिश्चित करने के लिए गहनता से काम किया है। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि जब भी किसी राज्य में विशेष गहन पुनरीक्षण होता है, तो अक्सर इसी तरह की कमी देखने को मिलती है। इस पूरे घटनाक्रम पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि यह तो केवल शुरुआत है और आने वाले समय में विशेष पुनरीक्षण के दौरान और भी संदिग्ध मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जाएंगे। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं की सराहना करते हुए कहा कि तमाम डराने-धमकाने और धमकियों के बावजूद उन्होंने संदिग्ध नामों के खिलाफ शिकायतें दर्ज कराईं, जिसका परिणाम इस सूची में दिखाई दे रहा है।

दिलचस्प बात यह है कि स्वयं मुख्यमंत्री के निर्वाचन क्षेत्र जलुकबाड़ी में भी मतदाताओं की संख्या में बड़ी कमी आई है। जलुकबाड़ी, जहां से सरमा पांच बार विधायक रहे हैं, वहां करीब 2.11 लाख मतदाताओं में से 4,310 नाम हटा दिए गए हैं। आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पिछले साल दिसंबर में प्रकाशित मसौदा सूची में यहां 2,10,624 नाम थे, जो अब घटकर 2,06,314 रह गए हैं। इस क्षेत्र में कुल 2.05 प्रतिशत नाम हटाए गए हैं, जिनमें 2,754 पुरुष, 1,555 महिलाएं और एक तृतीय लिंग मतदाता शामिल है। अंतिम सूची के अनुसार अब इस क्षेत्र में 97,653 पुरुष और 1,08,654 महिला मतदाता पंजीकृत हैं। चुनाव आयोग का मानना है कि इस प्रक्रिया से राज्य की लोकतांत्रिक व्यवस्था में पारदर्शिता आएगी, हालांकि आदिवासी और मैदानी इलाकों के बीच आंकड़ों का यह असंतुलन आने वाले समय में राजनीतिक चर्चा का विषय बन सकता है।

पूर्व सेना प्रमुख की किताब लीक मामले में आपराधिक साजिश की एफआईआर दर्ज, विदेशों तक पहुंची जांच

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व थल सेनाध्यक्ष जनरल (रिटायर्ड) एमएम नरवणे की संस्मरण पुस्तक फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी के लीक होने का मामला अब एक गंभीर अंतरराष्ट्रीय साजिश के रूप में उभर रहा है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, शुरुआती जांच में यह संकेत मिले हैं कि इस पुस्तक को रक्षा मंत्रालय की अनिवार्य क्लीयरेंस के बिना एक सोची-समझी रणनीति के तहत सार्वजनिक किया गया। इस घटना की गंभीरता को देखते हुए दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने आपराधिक साजिश की धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है।

जांच में यह चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है कि किताब का डिजिटल संस्करण भारत से पहले कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी और अमेरिका जैसे देशों में सर्कुलेट हुआ और वहां की ऑनलाइन वेबसाइटों पर बिक्री के लिए उपलब्ध करा दिया गया। तकनीकी विश्लेषण से पता चला है कि लीक हुई कॉपी को सबसे पहले डोमेन एक्सटेंशन वाले एक प्लेटफॉर्म पर अपलोड किया

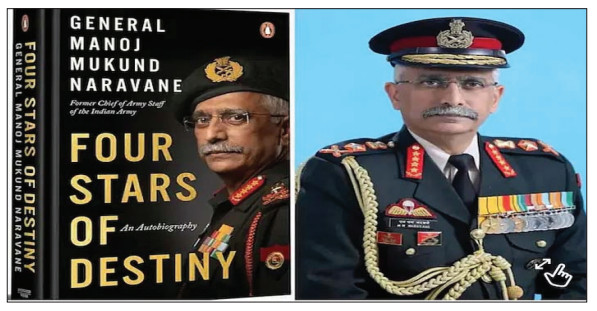

गया था, जो ब्रिटिश इंडियन ओशन टेरिटरी से संबंधित है। इसके बाद यह अन्य कई होस्टिंग साइट्स पर वायरल हो गई। स्पेशल सेल अब किताब के 13 अंकों वाले इंटरनेशनल स्टैंडर्ड बुक नंबर (आईएसबीएन) की गहनता से जांच कर रही है। विदेशी वेबसाइटों पर जो आईएसबीएन कोड मिला है, वह प्रकाशक पेंगुइन इंडिया द्वारा इसी किताब के लिए जारी किए गए कोड से मेल खाता पाया गया है। इस संबंध में प्रकाशक से भी पूछताछ की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि बिना आधिकारिक अनुमति के यह विवरण विदेशी बाजार तक कैसे पहुंचा। इसी बीच, संसदीय गलियारों में भी इस मामले और अन्य बयानों को लेकर हलचल तेज है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने संकेत दिए हैं कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव लाया जा सकता है। सरकार का आरोप है कि उन्होंने सदन में निराधार बयान देकर सदस्यों को गुमराह किया है। हालांकि, यह प्रस्ताव कब पेश होगा, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी बाकी है। फिलहाल, सुरक्षा एजेंसियों का पूरा ध्यान पूर्व आर्मी चीफ की किताब से जुड़े डेटा लीक के पीछे के विदेशी कनेक्शन को बेनकाब करने पर है।

वंदे मातरम को सभी 6 छंदों के साथ गाना अनिवार्य... मदनी का आरोप, ये आदेश हमारी धार्मिक आजादी पर हमला

-वंदे मातरम को राष्ट्रगान जन गण मन की तरह ही सम्मान देना अनिवार्य, सिख संगठन ने भी जताया विरोध

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुस्लिम संगठन जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने वंदे मातरम के सभी छंद गाने का विरोध किया है। मुसलमान संगठन ने कहा कि केंद्र सरकार का ये आदेश हमारी धार्मिक आजादी पर हमला है।

उलेमा-ए-हिंद ने मोदी सरकार के आदेश को एकतरफा और मनमाना बता दिया है। जमीयत के प्रेसिडेंट मौलाना अरशद मदनी ने पोस्ट में कहा कि मुसलमान किसी को भी वंदे मातरम गाने या बजाने से नहीं रोकते, लेकिन गाने के कुछ छंद मातृभूमि को एक देवता के रूप में दिखाते हैं। ये हमारी धार्मिक मान्यताओं के खिलाफ हैं।

केंद्र सरकार ने गुरुवार को आदेश जारी कर राष्ट्रगीत वंदे मातरम को राष्ट्रगान जन गण मन की तरह ही सम्मान देना अनिवार्य होगा। आदेश के मुताबिक राष्ट्रगीत के सभी 6 अंतरे गाए जाएंगे, जिनकी कुल अवधि 3 मिनट 10 सेकेंड है। अब तक मूल गीत के पहले दो अंतरे ही गाए जाते थे।

इस पर नाराज मदनी ने कहा कि एक मुसलमान सिर्फ एक अल्लाह की पूजा करता है, इसलिए मुसलमान को यह गाना गाने के लिए मजबूर करना संविधान के आर्टिकल 25 और सुप्रीम कोर्ट के कई फैसलों का साफ उल्लंघन है। इस गाने को जरूरी बनाना और नागरिकों पर थोपने की कोशिश देशभक्ति का इजहार नहीं है, बल्कि यह चुनावी राजनीति, एक सांप्रदायिक एजेंडा और बुनियादी मुद्दों से लोगों का ध्यान हटाने की कोशिश है। देश के लिए प्यार का असली पैमाना नारों में नहीं, बल्कि किरदार और कुर्बानी में है। इसकी शानदार मिसालें मुसलमानों और जमीयत उलेमा-ए-हिंद के ऐतिहासिक संघर्ष में खास तौर पर देखी जा सकती हैं।

वहीं सिख संगठन दल खालसा ने वंदे मातरम अनिवार्य करने के फैसले पर कड़ा ऐतराज जाहिर किया है। उन्होंने इस आदेश को सिख पहचान व धार्मिक भावनाओं के खिलाफ बताया है। दल खालसा के नेता कंवरपाल सिंह बिट्टू ने कहा कि यह फैसला भारतीयता के नाम पर हिंदुत्व विचारधारा को सिख समुदाय पर थोपने का प्रयास है। सिख होने के नाते हम इस फैसले को स्वीकार नहीं करने वाले है। यह निर्णय सिख समुदाय की भावनाओं और उनकी धार्मिक पहचान के विपरीत है।